वर्ष : 17 ❖ अंक : 229 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 28 मार्च 2023

मोदी सरकार के पास राहुल के सवालों का जवाब नहीं : खड़गे 3

राहुल मुद्दे पर विपक्ष का प्रदर्शन, कांग्रेस सांसदों ने पहने काले कपड़े 8

सोकपे गांव अति जोखिमपूर्ण क्षेत्र घोषित

भूस्खलन क्षेत्र से बड़े पैमाने पर होगा लोगों का विस्थापन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 मार्च । जिले के डिक्चू जांग ब्लॉक के सोकपे गांव में रविवार को भारी भूस्खलन के एक दिन बाद जिला प्रशासन ने आज पूरे क्षेत्र को अति जोखिमपूर्ण बताते हुए 'बड़े पैमाने पर भूस्खलन वाला क्षेत्र' घोषित कर दिया है।

गंगटोक जिला शासक तुषार निखरे ने यह जानकारी देते हुए कहा कि परिस्थिति को देखते हुए विद्युत कम्पनियों को सरकारी निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया गया है। उनके अनुसार, सरकार अब भूस्खलन क्षेत्र से लोगों को बड़े पैमाने पर निकालने पर विचार कर रही है। उल्लेखनीय है कि डिक्चू में भूस्खलन के लिए पहाड़ के आधार पर एनएचपीसी बांध निर्माण के साथ ही पहाड़ की ऊंचाई पर हाई टेंशन लाइन के टावरों को लगाए जाने को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

हालांकि डीसी ने कहा कि खान एवं भूतात्विक विभाग की रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, फिलहाल हम भूस्खलन के किसी भी कारण के निष्कर्ष पर नहीं कह सकते हैं। विद्युत परियोजना कम्पनियों की ओर से भी कुछ कार्रवाई की जानी है। उन्हें उपयुक्त निर्देश दिए जाएंगे और उन्हें इसका पालन करना होगा। हम जल्द से जल्द भूस्खलन के मुख्य कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं जिससे पहाड़ी पर ताजा कटाव हुआ है। भूस्खलन सक्रिय नहीं था और यह पिछले सप्ताह हुई बारिश की वजह से हो सकता है।

वहीं स्थानीय निवासियों द्वारा हरेक मानसून में स्थानांतरण की शिकायतों पर निखारे ने कहा कि गांव से लोगों की बड़े पैमाने पर निकासी पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। लोगों को आश्वस्त करते हुए उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री ने हमें निर्देश दिया है कि जिसे भी स्थानांतरण या किसी भी मदद की आवश्यकता है, सरकार उसे उपलब्ध कराने को तैयार है। उनके अनुसार, ऐसा नहीं है कि हर साल ही सोकपे गांव के निवासियों

का पुनर्वास किया जाता है। लेकिन हमें इस बात पर सहमत होना होगा कि यह पूरा क्षेत्र एक विशाल भूस्खलन वाला क्षेत्र है। यहां कई स्थानों पर भूस्खलन होने की आशंका है, फिलहाल यह एक जगह पर हुआ है।

हालांकि, खान व भूतात्विक विभाग पूरे क्षेत्र का गहन सर्वेक्षण करेगा और जहां भी उसे लगेगा कि कोई क्षेत्र लंबे समय तक रहने के लिए उपयुक्त नहीं है, उसकी एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस रिपोर्ट को आगे सरकार को पेश किया जाएगा जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वहीं प्रभावितों को मुआवजे के सम्बंध में डीएम निखारे ने कहा कि सरकार ने पहले ही चार परिवारों को मुआवजा प्रदान कर दिया है, अन्य 16-17 परिवारों के लिए इस पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मुआवजा तत्काल मदद के लिए है। सरकार निर्धारित दरों के ऊपर मुआवजा देगी। वहीं किराए के घरों में रहने वालों को होने वाले नुकसान के सम्बंध में उन्होंने कहा कि किराएदारों को उनके सामानों, कपड़े और बर्तन के लिए मुआवजा दिया जा रहा है, लेकिन मकान के नुकसान के लिए पैसा जमीन मालिक को ही दिया जाएगा।

बैशाखी पर्व आयोजन को लेकर दूसरी समन्वय बैठक आयोजित

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 27 मार्च । जिले में आगामी 14 और 15 अप्रैल 2023 को आयोजित होने वाले बैशाखी पर्व के राज्यस्तरीय समारोह को लेकर आज स्थानीय एक होटल में दूसरी समन्वय बैठक आयोजित की गई। इसमें राज्य के भवन व आवास विभाग के अध्यक्ष ताशी दोरजी तमांग के साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति, विभिन्न विभागों के अधिकारी और जिले के कई संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

इस दौरान भावी कार्यक्रम के आयोजन से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई और इसका बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न समितियों में सदस्यों की नियुक्ति की गई। आयोजन समिति की ओर से बताया गया कि इस राज्यस्तरीय उत्सव का बड़े ही भव्य तरीके से समारोहपूर्वक आयोजन होगा, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रकों के साथ ही विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रदर्शन किया किया जाएगा। वहीं, इसमें विभिन्न पारंपरिक हथकरघा वस्तुओं, कलाकृतियों, पुष्प प्रदर्शनी, फूड स्टॉल आदि भी लगाये जाएंगे। वहीं समिति ने इस अवसर की शोभा

बढ़ाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों की प्रसिद्ध हस्तियों को आमंत्रित करने की भी योजना बनाई है।

समिति सदस्यों ने आयोजन का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने का आश्वासन दिया है। इस बार के राज्यस्तरीय बैशाखी उत्सव में राज्य भर से बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है।

श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ में शामिल हुए राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 मार्च । पाकिम जिला अंतर्गत सामके देवराली वार्ड,डूगा,सेंट्रल पाण्डम, में चैत्र नवरात्रि के दौरान श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ का आयोजन किया गया है जिसमें सोमवार को सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्लक्ष्मण प्रसाद आचार्य एवं राज्य की प्रथम महिला श्रीमती कुमुद देवी की उपस्थिति रही। इस दौरान आयोजक कमेटी एवं ग्रामवासियों द्वारा राज्यपाल का भव्य रूप से स्वागत किया गया।

सप्ताह ज्ञान महायज्ञ का आयोजन स्थानीय त्रिलोकेश्वर मंदिर निर्माणार्थ तथा पितृ मोक्षार्थ के लिए सार्वजनिक स्तर में चैत्र शुक्ल पक्ष की परेवा से चैत्र शुक्ल नवमी, 22 मार्च से 30 मार्च 2023 तक आयोजित की गई है। उक्त आयोजन में अपनी उपस्थिति को दिव्य अवसर बताते हुए राज्यपाल ने आयोजन समिति के प्रति आभार प्रकट किया। अपनी उपस्थिति पर हर्ष व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन करते हैं। संस्कृति सदा हमें जोड़ना सिखाती है।

उन्होंने कहा कि धर्म अपनी स्वाभाविकता से संस्कृति का आधार है वहीं संस्कृति धर्म की संवाहिका है। श्रीमद भगवद महापुराण में आकर मुझे जो अपार स्नेह मिला है उससे अभिभूत हूं। इस भव्य आयोजन में उपस्थित होना गर्व की बात है।

एसडीएफ की महिला मोर्चा नेताओं की समन्वय बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 मार्च । सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट की गेजिंग, सोरेंग और नामची जिलों की महिला मोर्चा नेताओं की एक समन्वय बैठक आज जोरथांग के गरीब उत्थान भवन में आयोजित हुई।

महिला मोर्चा की वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. नीरू सेवा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सभी प्रखंडों की संयोजक एवं उपसंयोजक के अलावा संगठन उपाध्यक्ष श्रीमती मनिता मंगर, पूर्व सचिव श्रीमती रिनचेन ल्हामू और पूर्व मोर्चा संयोजिका श्रीमती इंद्रा प्रधान भी उपस्थित थीं।

एसडीएफ के प्रेस व प्रचार सचिव लाकु साधामु ने एक विज्ञप्ति में बताया कि बैठक में चर्चा के दौरान सिक्किम की महिलाओं के सामने आने वाले कई मुद्दों को उठाते हुए इस अग्रिम संगठन के कामकाज के बारे में भी विचार साझा किए गए। इन मुद्दों में एसकेएम सरकार द्वारा राज्य में लाए जा रहे अनुच्छेद 371-एफ को कमजोर करने वाले विभिन्न कानूनों, चुनाव पूर्व के किसी भी वादे को पूरा करने में मौजूदा सरकार की विफलता, वोटों को लुभाने के लिए धन का उपयोग आदि शामिल रहे।

वहीं इस दौरान सिक्किम में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एसडीएफ सरकार और पार्टी द्वारा किए गए कार्यों जैसे, पंचायतों में 50 फीसदी आरक्षण, नौकरियों और

उच्च शिक्षा में 33 फीसदी आरक्षण आदि का भी जिक्र किया गया।

वहीं बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि वर्तमान में एसकेएम सरकार माताओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु आमा योजना को जोर-शोर से प्रचारित कर रही है। लेकिन वह आसानी से भूल रही है कि 2019 के चुनावों से पहले अपने घोषणापत्र में एसकेएम ने सभी माताओं को 5 लाख रुपए देने का वादा किया था। इसके अलावा बताया गया कि आमा योजना में परिवार में सरकारी नौकरी करने वाला नहीं होना चाहिए जैसे कई ऐसे मानदंड हैं जो काफी माताओं को इस योजना का लाभ उठाने से रोकते हैं।

पूर्वोत्तर फिल्म उत्सव में सिक्किम को दो पुरस्कार

पुरस्कार मिलना सिक्किम के लिए बड़ी उपलब्धि : पूजा शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 27 मार्च । मुम्बई में आयोजित हुए पूर्वोत्तर फिल्म उत्सव 2023 में सिक्किम के दो फिल्म निर्माताओं ने दो पुरस्कार जीते हैं। इसमें आमिर गुरुंग को फिल्म 'मिथ' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का रजत पुरस्कार और अभिषेक छेत्री को 'दिस साइड ऑफ टाउन' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक जूरी चयन का पुरस्कार शामिल है। मुम्बई के एनएफडीसी परिसर में पूर्वोत्तर फिल्म महोत्सव का गत 24 से 26 मार्च को पूर्वोत्तर आयोजन हुआ जिसमें देश की कुल 50 फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई।

सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के निर्देशन में सिक्किम फिल्म प्रमोशन बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती पूजा शर्मा के नेतृत्व में फिल्म निर्माताओं की एक टीम महोत्सव में भाग लेने हेतु 24 मार्च को मुम्बई पहुंची थी। इसमें सिक्किम से 6 लघु फिल्मों और एक वृत्तचित्र को पूर्वोत्तर में प्रदर्शित करने के लिए चुना गया। इनमें लघु फिल्मों में राजू काफ्ले की सुखिम, आमिर गुरुंग की मिथक, अभिषेक छेत्री की दिस साइड ऑफ टाउन, बिनेश के राई की मोहन रा मदन एवं निर्मल भट्टराई व अर्जुन

चापगाई की छोटू शामिल रहीं। वहीं सुजल प्रधान की वृत्तचित्र सागा दावा को इसमें शामिल किया गया।

समारोह के आधिकारिक जूरी मंडल में सिक्किम के सामतेन भूटिया भी शामिल थे, वहीं राज्य के 4 वरिष्ठ कलाकारों एवं फिल्म निर्माताओं को इस समारोह में सम्मानित किया गया। इनमें वरिष्ठ फिल्म निर्माता सामतेन भूटिया, वरिष्ठ कलाकार डॉ. भरत बसिस्ता, वरिष्ठ कलाकार हरि ढुंगेल और चंद्रशेखर गौतम शामिल रहे।

सिक्किम फिल्म प्रमोशन बोर्ड की अध्यक्षा श्रीमती पूजा शर्मा ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री गोले जैसे दूरदर्शी नेता का आशीर्वाद नहीं होता तो फिल्म निर्माण के क्षेत्र में सिक्किम को दो राष्ट्रीय पुरस्कार नहीं मिलते। उन्होंने कहा, एसकेएम के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने वर्तमान में सिक्किम के फिल्म निर्माताओं के लिए वैश्विक फिल्म निर्माताओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए दरवाजे खोल दिए हैं।

राज्य के 19 स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं द्वारा फिल्म बोर्ड से भेजी गई 19 फिल्मों में से 6 को शॉर्टलिस्ट किया गया। यह सिक्किम की एक बड़ी उपलब्धि है।

तेलंगाना के वरिष्ठ नेता श्रीनिवास ने कांग्रेस में शामिल होने से किया इनकार

हैदराबाद, 27 मार्च (एजेन्सी)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पूर्व सांसद धर्मपुरी श्रीनिवास ने सोमवार को इस खबर का खंडन किया वे कांग्रेस में शामिल हो गए हैं और साफ किया कि वास्तव में उनके बेटे धर्मपुरी संजय कांग्रेस में शामिल हुए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में श्रीनिवास ने कहा कि वह अपने बेटे के साथ राज्य पार्टी मुख्यालय गांधी भवन गए थे।

बीआरएस के पूर्व सांसद धर्मपुरी श्रीनिवास ने लिखा, मुझे पार्टी कंडुवा की पेशकश कर कुछ नेताओं ने दावा किया कि मैं भी कांग्रेस में शामिल हो गया हूं। अगर ऐसा माना जा रहा है कि मैं कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गया हूं, तो मैं इस्तीफा देता हूं। श्रीनिवास के दूसरे बेटे डी. अरविंद निजामाबाद से भाजपा सांसद हैं।

पूर्व मंत्री ने कांग्रेस पार्टी से उन्हें किसी भी विवाद में नहीं घसीटने का अनुरोध किया और कहा कि वह अपनी उम्र के कारण राजनीति से दूर रह रहे हैं।

श्रीनिवास ने अपनी पत्नी डी. विजयलक्ष्मी को गवाह बनाया। विजयलक्ष्मी ने एक अलग बयान जारी कर श्रीनिवास को राजनीति के लिए इस्तेमाल नहीं करने का कांग्रेस से अनुरोध किया।

विजयलक्ष्मी ने कहा कि श्रीनिवास को पहले ब्रेन स्ट्रोक हुआ था और दावा किया कि उन्हें कल रात दौरा पड़ा।

उन्होंने लिखा, मैं कांग्रेस नेताओं से हाथ जोड़कर विनती कर रही हूं कि वे दोबारा ऐसा न करें। इस उम्र में जब उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है, तो उन्हें शांति से रहने दें।

श्रीनिवास रविवार को गांधी भवन गए थे और दावा किया गया था कि वह नौ साल बाद फिर से कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

2004 में सत्ता में वापस आने पर श्रीनिवास अविभाजित आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के अध्यक्ष थे। उन्होंने दो बार आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) का नेतृत्व किया

और वाई.एस. राजशेखर रेड्डी कैबिनेट में मंत्री के रूप में भी काम किया।

श्रीनिवास ने 2014 में नवगठित तेलंगाना राज्य में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) में चले गए थे। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने उन्हें सरकार के विशेष सलाहकार के पद से पुरस्कृत किया था और बाद में उन्हें 2016 में राज्य सभा सदस्य बनाया था।

हालांकि, 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले निजामाबाद के वरिष्ठ नेता को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपों का सामना करना पड़ा। आरोप है कि उन्होंने अपने बेटे अरविंद को प्रमोट कर बीजेपी में शामिल करवा लिया।

तभी से श्रीनिवास सक्रिय राजनीति से दूर रह रहे हैं।

मुंबई की मुख्य पानी की पाइपलाइन फटी, आधे शहर में पानी की किल्लत

मुंबई, 27 मार्च (एजेन्सी)। मुंबई में मुलुंड ऑक्ट्रोई चेकपोस्ट के पास सोमवार दोपहर एक जल पुलिया के निर्माण के दौरान एक प्रमुख जल मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई और फट गई। बीएमसी आपदा नियंत्रण ने यह जानकारी दी।

महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एमएसआरडीसी) द्वारा हरिओम नगर में चल रहे काम के दौरान पाइस-पंजरापुर ट्रीटमेंट ख़लांट कॉम्ख़लेक्स से पानी की आपूर्ति करने वाली 2,345 मिमी मुंबई-2 मेनलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि एक विशाल जल जेट को कम से कम 20 मीटर ऊपर की ओर गोली मारते देखा गया और लाखों लीटर कीमती पेयजल वहां से बहकर गटर में बह गया, जिससे आसपास के कुछ निचले इलाकों में बाढ़ आ गई।

बीएमसी के इंजीनियरों ने तेजी से आगे बढ़ते हुए प्रभावित मुख्य पाइपलाइन का पानी बंद कर दिया है और मरम्मत का काम शुरू कर दिया है।

नतीजतन, बीएमसी रात 10 बजे से 27 मार्च को 48 घंटे के लिए 29 मार्च तक शहर के लगभग आधे हिस्से में 15 प्रतिशत पानी की कटौती करेगी, जिसमें दक्षिण मुंबई के अधिकांश हिस्से और पूर्वी उपनगर शामिल हैं।

बीएमसी के वार्ड टी (मुलुंड पूर्व-पश्चिम), एस (भांडुप, नाहुर, कांजुरमार्ग और विक्रोली पूर्व), एन (विक्रोली पश्चिम, घाटकोपर पूर्व-पश्चिम, एल (कुर्ला पूर्व), एम पूर्व/पश्चिम) प्रभावित होने वाले क्षेत्र हैं।

दक्षिण मुंबई में, पूरे ए, बी, ई, एफ-नॉर्थ और एफ-साउथ, पॉश आवासीय, व्यापार, व्यापारिक, वाणिज्यिक केंद्रों और राज्य और केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यालयों सहित 15 प्रतिशत पानी की कटौती का अनुभव करेंगे। बीएमसी डिजास्टर कंट्रोल ने सभी लोगों से अपील की है कि वे अगले कुछ दिनों तक कम से कम पानी का इस्तेमाल करें और निकाय अधिकारियों का सहयोग करें।

न्यूनतम 1000 रुपये मिलेगी सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजस्थान सरकार पर आएगा 2,222 करोड़ का अतिरिक्त भार

जयपुर, 27 मार्च (एजेन्सी)। राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा के तहत दी जाने वाली मासिक पेंशन राशि में गहलोत सरकार ने बढ़ोतरी की है। अब 500 और 750 रुपये की जगह सीधे एक हजार रुपये दिए जाएंगे। राजस्थान सीएम गहलोत ने कहा, प्रदेश के सभी कमजोर वर्गों की सहायता करना राज्य सरकार का कर्तव्य है।

एक मई 2023 से न्यूनतम 1000 रुपये की बढ़ी हुई पेंशन मिलने लगेगी।

गहलोत की स्वीकृति से पेंशनधारियों को आर्थिक संबल मिलेगा। वृद्धावस्था, सिंगल वूमन, विशेष योग्यजन, लघु और सीमांत किसान पेंशन में पात्र आवेदकों को बढ़ी हुई पेंशन राशि मई महीने से मिलेगी, जो कि एक जून 2023 को दी जाएगी।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में पेंशन दरों में वृद्धि से अब राज्य सरकार पर प्रतिमाह 185 करोड़ रुपये और प्रतिवर्ष 2222.70 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार आएगा। अभी प्रति माह लगभग 700 करोड़ रुपये ख़र्च होते हैं। मुख्यमंत्री ने साल 2023-24 के बजट में न्यूनतम पेंशन राशि को बढ़ाकर एक हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की घोषणा की गई थी।

येदियुरप्पा के घर पर हमला, बंजारा समुदाय का प्रदर्शन, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

बेंगलुरु, 27 मार्च (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी के सीनियर और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के शिवमोगा में शिकारीपुर स्थित घर पर हमला किया गया है। आरक्षण से संबंधित मुद्दे का विरोध कर रहे बंजारा समुदाय के सदस्यों ने उनके घर पर पथराव किया है। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। बंजारा समुदाय अनुसूचित जनजाति समुदाय में आंतरिक आरक्षण की मांग करता रहा है। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव 2023 की तारीखों की घोषणा भी नहीं हुई है और सियासी घमासान शुरू हो गया है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय को दिए गए आरक्षण में इंटरनल रिजर्वेशन को लेकर बंजारा समुदाय ने आपत्ति दर्ज करवाई है। शुक्रवार को कर्नाटक की भाजपा सरकार ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए इंटरनल रिजर्वेशन का एलान किया था। इसके मुताबिक, अनुसूचित जाति समुदाय को जो 17 प्रतिशत रिजर्वेशन दिया, उसे आंतरिक रूप से बांटा गया। इस फैसले के तहत एससी लेफ्ट को 6 फीसदी, एससी राइट को साढ़े 5 फीसदी, टचेबल्स को साढ़े चार फीसदी और अन्य को 1 फीसदी देने का फैसला किया गया।

राज्य सरकार का ये फैसला सदाशिव आयोग की सिफारिश के आधार पर किया गया, बंजारा समुदाय के मुखियाओं का कहना है कि सदाशिव आयोग की सिफारिश से उनके समुदाय को नुकसान होगा और राज्य सरकार ने इस फैसले को लागू करने की जो सिफारिश केंद्र को भेजी है उसे तुरंत वापस लेना चाहिए।

राहुल गांधी को 22 अप्रैल तक खाली करना होगा सरकारी आवास

राजेश अलख

नई दिल्ली, 27 मार्च । लोक सभा की सदस्यता रद्द हो जाने के बाद अब कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को 12 तुगलक लेन का अपना सरकारी आवास भी 22 अप्रैल तक खाली करना होगा। लोक सभा की हाउसिंग कमेटी ने उन्हें एक नोटिस भेजकर 22 अप्रैल तक अपने इस सरकारी आवास को खाली करने को कहा है।

राहुल गांधी को भेजे गए इस नोटिस में यह कहा गया है कि लोक सभा सचिवालय ने 24 मार्च 2023 को एक नोटिफिकेशन जारी कर 23 मार्च 2023 से उनकी लोक सभा की सदस्यता को रद्द कर दिया गया है। इसलिए 17वीं लोक सभा के सांसद के तौर पर उन्हें अलॉट किए गए 12 तुगलक लेन के सरकारी आवास में अब वह सिर्फ अधिकतम एक महीने यानी 22 अप्रैल 2023 तक ही रह सकते हैं। नोटिस में कहा गया है कि उनको आवंटित किए गए इस सरकारी आवास का आवंटन 23 अप्रैल 2023 से रद्द किया जाता है इसका तात्पर्य बिल्कुल स्पष्ट है कि राहुल गांधी को 22 अप्रैल 2023 तक अपना यह सरकारी आवास खाली करना होगा।

आपको बता दें कि, एक तरफ जहां कांग्रेस संसद से लेकर सड़क तक राहुल गांधी की लोक सभा सदस्यता रद्द किए जाने के खिलाफ

आंदोलन कर रही है, मोदी सरकार पर हमला बोल रही है वहीं दूसरी तरफ भाजपा ओबीसी के अपमान का आरोप लगाने के साथ-साथ अब राहुल गांधी पर वीर सावरकर के अपमान का भी आरोप लगा रही है।

अमित शाह के कर्नाटक दौरे के दौरान सुरक्षा में सेंध, दो छात्र गिरफ्तार

बेंगलुरु, 27 मार्च (एजेन्सी)। कर्नाटक पुलिस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की यात्रा के दौरान सुरक्षा का उल्लंघन करने के आरोप में बेंगलुरु से दो छात्रों को गिरफ्तार किया है और उनसे पूछताछ कर रही है, सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

गिरफ्तार किए गए छात्रों की पहचान इमरान और जिब्रान के रूप में हुई है, दोनों बेंगलुरु के छात्र हैं और नीलासंद्रा के निवासी हैं। यह घटना रविवार देर रात हुई जब शाह बेंगलुरु में पार्टी मुख्यालय में कोर कमेटी की बैठक में भाग लेने के बाद दिल्ली के लिए वापसी की उड़ान भरने के लिए एचएएल हवाईअड्डे जा रहे थे।

आरोपी छात्रों ने नियमों का उल्लंघन किया और अमित शाह के काफिले में सफीना ख़लाजा से मणिपाल सेंटर तक अचानक प्रवेश किया। पुलिसकर्मियों ने उन्हें 300 मीटर तक रोकने की कोशिश की, लेकिन बाइक में सवार छात्र रुके नहीं। पुलिस ने उन्हें मणिपाल सेंटर में रोक लिया और उनमें से एक को हिरासत में ले लिया। एक अन्य भागने में सफल रहा लेकिन बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि छात्र पुलिसकर्मियों को देखकर घबरा गए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों छात्रों की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि या मंशा नहीं है। हालांकि पुलिस ने कोई चांस नहीं लेते हुए जांच शुरू कर दी है। भारतीनगर पुलिस ने इस संबंध में छात्रों के खिलाफ आईपीसी की धारा 353 के तहत सरकारी अधिकारी की ड्यूटी में बाधा डालने और लापरवाही से वाहन चलाने के लिए 279 का मामला दर्ज किया है।

कर्नाटक के दावणगेरे जिले में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के दौरान भी सुरक्षा में सेंध लगने की घटना सामने आई थी। घटना उस वक्त हुई जब मोदी हेलीपैड से खुले वाहन में सवार थे। इससे पहले 14 जनवरी को एक लड़के कुणाल ढोंगडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को माला पहनाने के लिए सुरक्षा भंग की थी। बाद में उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी भगवान हैं। उन्होंने कहा था, 'वह कोई साधारण इंसान नहीं हैं। मैं उनका प्रशंसक हूं और उनसे मिलना चाहता हूं।'

केरेमथांग वार्ड में सड़क निर्माण के अनुमोदन पर लोगों सरकार का प्रकट किया आभार

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 27 मार्च । मानेबुंग देन्ताम क्षेत्र के सर्दोंग-लुंगजिक ग्राम पंचायत इकाई के केरेमथांग वार्ड में हाल ही में एक किलोमिटर सड़क अनुमोदन को लेकर जनता ने खुशी प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री पीएस गोले तथा राज्य सरकार के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया है।

स्थानीय लोगों ने कहा कि इस क्षेत्र में सड़क निर्माण की मांग करीब तीन पीढ़ियों से की जा रही थी। यहां के नागरिकों ने गांव में सड़क नहीं होने के कारण रोगियों को कहीं ले जाने में काफी दिक्कत होती है। इतना ही नहीं विद्यार्थियों को स्कूल जाने में भी परेशानी होती थी। राज्य सरकार ने लोगों की दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण प्रस्ताव का अनुमोदन किया है इसके लिए हम सरकार को धन्यवाद देते हैं।

पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना को लागू करने पर बैठक आयोजित

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 27 मार्च । स्कूली बच्चों के समग्र विकास हेतु शुरू की गई पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना को लागू करने हेतु आज जिला शासक भीम ठटाल की अध्यक्षता में जिलास्तरीय समिति की पहली बैठक आयोजित की गई।

बैठक में योजना के बारे में जानकारी देते हुए डीसी ने बताया कि इसके तहत चिन्हित स्कूलों को सभी स्तरों पर समग्र परिवर्तन सुनिश्चित करने हेतु समर्पित, लक्षित और सर्व-समावेशी सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक आकांक्षी जिले के तौर पर सोरेंग के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण घटकों में से एक है, इसे न केवल राज्य बल्कि केंद्र सरकार द्वारा भी स्वास्थ्य के साथ प्राथमिकता के तौर पर मान्यता दी गई है। वहीं नई शिक्षा नीति के बारे में भी बताया जो मुख्य रूप से ग्रेड विशेष के बजाय बच्चों के लिए आयु उपयुक्त शिक्षा प्रणाली स्थापित करने पर केंद्रित है।

इसके अलावा, उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत विभिन्न दिशा-निर्देशों पर भी चर्चा करते हुए जिले में इसकी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली।

बैठक में एसडीएम सनी खरेल, एसडीएम मुख्यालय डीआर बिस्टा, सीएमओ डॉ. बिकाश प्रधान, शिक्षा उप-निदेशक एमके खेवा, खेल उप-निदेशक श्रीमती ममिता गुरूंग एवं अन्य लोग भी मौजूद रहे।

आउटसोर्स कर्मियों के लिए नीति बनाने पर कर रहे विचार : सीएम सुक्खू

शिमला, 27 मार्च (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए नीति बनाने पर विचार किया जा रहा है। किसी भी कर्मी को नौकरी से निकालने की नीति कांग्रेस सरकारों की नहीं रही है। कंपनियों के तहत नियुक्त आउटसोर्स कर्मियों के अनुबंध पत्र देखने के बाद आगामी फैसला लेने का मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया। सोमवार को प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक इंद्र दत्त लखनपाल ने सवाल करते हुए आउटसोर्स कर्मियों के लिए स्पष्ट नीति बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के सरकारी विभागों और उपक्रमों में करीब 19,916 कर्मी आउटसोर्स आधार पर तैनात हैं।

अगर एसएमसी और कंख़यूटर शिक्षकों सहित कुछ वर्गों को भी जोड़ लिया जाए तो यह आंकड़ा 40 हजार पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सभी कर्मी अपने भविष्य के लिए चिंतित हैं। भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने कहा कि 31 दिसंबर 2022 को जल शक्ति विभाग से कई कर्मचारी नौकरी से निकाल दिए गए हैं। 31 मार्च 2023 को अन्य विभागों के टेंडर समाप्त होने वाले हैं। इससे कामकाज प्रभावित होने की संभावना है। उन्होंने सरकार से वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग उठाई। जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि जल शक्ति विभाग में इस वर्ष पांच हजार पद भरने का फैसला लिया है। आउटसोर्स कर्मियों को यात्रा भत्ता और ईएसआई की सुविधा भी दी जानी है। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही इन कर्मियों के लिए नीति बनाकर लेकर आएगी।

सरदार पटेल विश्वविद्यालय के मामले में विजिलेंस ब्यूरो में जांच शुरू करने के बारे में पीएमओ से कोई संदर्भ प्राप्त नहीं हुआ है। हालांकि, प्रधानमंत्री को संबोधित एक शिकायत विजिलेंस ब्यूरोको जरूर मिली है, जिसे शिक्षा विभाग के एक्स ऑफिशियो विजिलेंस अधिकारी को भेजा गया है और इसमें आवश्यक आगामी कार्रवाई करने को कहा गया है। उच्च शिक्षा विभाग ने बताया है कि इस संबंध में शिक्षा विभाग से जानकारी दी गई है कि इसमें शिकायतकर्ता को

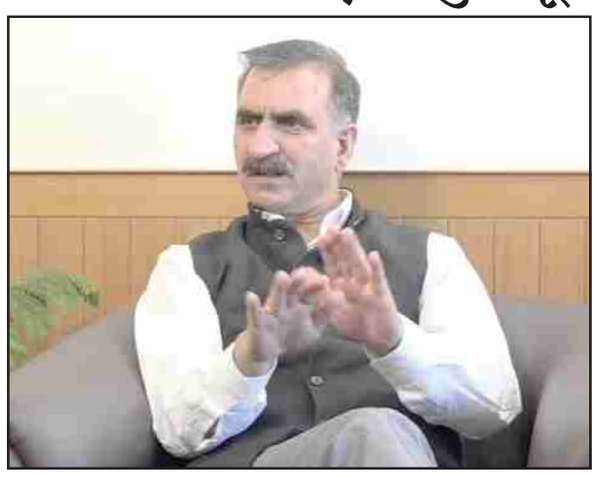

सुनवाई के लिए बुलाया गया है। यह जानकारी धर्मपुर के कांग्रेस विधायक चंद्रशेखर के सवाल के लिखित जवाब में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दी।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने बताया कि नियमित नहीं हो सके पीटीए शिक्षकों के मामले पर जल्द निर्णय लिया जाएगा। भाजपा विधायक प्रकाश राणा के सवाल का लिखित जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि पीटीए नीति के तहत जिन पीटीए शिक्षकों का चयन 29 जून 2006 से तीन जनवरी 2008 के बीच पीटीए अनुदान नियम 2006 के तहत किया गया था और जो संबंधित पद के लिए शैक्षणिक योग्यता को पूर्ण करते थे, उन सभी नियमित किया जा चुका है। शेष शिक्षकों के मामले का अलग से प्रकरण बार परीक्षण कर उपयुक्त निर्णय लिया जा रहा है।

प्रदेश के 133 डिग्री और नौ संस्कृत कॉलेजों में विभिन्न श्रेणियों के स्वीकृत 5007 पदों में से 1508 पद रिक्त हैं। कॉलेज प्रिंसिपलों के 106 रिक्त पदों में से भर्ती एवं पदोन्नति नियमानुसार सीधी भर्ती के माध्यम से भरे जाने के लिए 25 पदों का मांगपत्र तीन नवंबर 2021 को लोकसेवा आयोग को प्रेक्षित है। यह भर्ती प्रक्रिया चल रही है। विधायक इंद्रदत्त लखनपाल के सवाल का लिखित जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने बताया कि प्रिंसिपलों के शेष पदों को पदोन्नति के माध्यम से भरा जाएगा। लोकसेवा आयोग के माध्यम से सहायक आचार्य के 553 रिक्त पदों के चयन की प्रक्रिया जारी है।

लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि काम में देरी करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भाजपा विधायक बलवीर सिंह वर्मा ने प्रश्नकाल के दौरान उनके सवाल का गलत जवाब देने का मामला उठाया। वर्मा ने कहा कि जिन सड़कों का काम 31 मार्च 2023 तक पूरा करने की बात कही जा रही है, वहां अभी कई किलोमीटर की सड़क बनना शेष है। जवाब में मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना भाग दो को एक साल और चलाने के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मांगी गई है।

स्वास्थ्य मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश जो लोग हिमकेयर योजना में शामिल नहीं हैं, उन्हें आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया जाएगा। भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने प्रश्नकाल के दौरान यह मामला उठाया। जवाब में मंत्री ने कहा कि एक मार्च 2023 को दिए गए फैसले के अनुसार विभिन्न श्रेणियों के करीब 90,362 पात्र लाभार्थियों, जिन्होंने अपने आप को हिमकेयर योजना के तहत पंजीकृत किया है, को आयुष्यान योजना में शामिल करने का फैसला लिया गया है। अन्य मामलों पर भी विचार किया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश में बच्चों के कैंसर संबंधी उपचार के लिए प्रदेश में पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ डॉक्टर वर्तमान में उपलब्ध नहीं हैं। बच्चों के कैंसर संबंधित उपचार शिशु विभाग के विशेषज्ञों तथा रेडियोथैरेपी विभाग के विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। कांग्रेस विधायक सुधीर शर्मा के सवाल का लिखित जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आईजीएमसी शिमला में पीडियाट्रिक विभाग में बच्चों के कैंसर के इलाज के लिए चार बिस्तरों का कैंसर वार्ड है।

गांधी परिवार खुद को सबसे अलग, संविधान ऊपर मानता है : गजेंद्र सिंह शेखावत

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह खुद को सबसे अलग, कुलीन व संविधान से ऊपर मानता है।

राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता के अयोग्य ठहराए जाने के बाद से विपक्षी दल कांग्रेस ने देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि न तो भाजपा और न ही सरकार का, मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद वायनाड के सांसद को अयोग्य घोषित किए जाने से कोई लेना-देना है।

शेखावत ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जिस तरह से कांग्रेस के नेता एक न्यायिक व कानूनी कवायद पर हल्ला मचा रहे हैं, उससे पता चलता है कि वे गांधी परिवार को भारत की न्यायिक प्रक्रिया, संविधान व लोकतांत्रिक व्यवस्था से ऊपर मानते हैं।

राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले सांसद शेखावत ने कहा कि सूरत की अदालत ने गांधी को कई मौके दिए, जिसमें मोदी उपनाम पर उनकी टिप्पणी के लिए माफी मांगने का मौका भी शामिल है, लेकिन उन्होंने यह सोचकर इनकार कर दिया कि न्यायपालिका उनके परिवार के

सदस्यों के खिलाफ फैसला देने की हिम्मत नहीं करेगी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि कानून ने अपना काम किया है एवं न तो भाजपा का और न ही सरकार का इससे कोई लेना-देना है।

शेखावत ने आरोप लगाया कि गांधी परिवार खुद को सबसे अलग, कुलीन और संविधान से ऊपर मानता है। उन्होंने कहा कि इस तरह किसी सांसद को अयोग्य ठहराने के मामले में लोकसभा के पास कोई विवेकाधीन अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने लोकतंत्र के खतरे में होने का दावा किया है, वे न्यायिक फैसले और वैध कार्रवाई के खिलाफ सड़क पर विरोध-प्रदर्शन कर लोकतांत्रिक व्यवस्था का अपमान कर रहे हैं।

राहुल गांधी द्वारा संवाददाता सम्मेलन में एक पत्रकार का मजाक उड़ाने की कथित घटना का जिक्र करते हए केंद्रीय मंत्री ने कहा, वह देश का अपमान करने का और लोकतंत्र के विभिन्न स्तंभों से खुद को ऊपर दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ते।

शेखावत ने कहा, उनके जैसे लोग लोकतंत्र के लिए खतरा हैं क्योंकि वे खुद को सर्वोपरि समझते हैं।

भाजपा के नेता ने दावा किया कि यह शर्मनाक है कि उनमें इस कदर अहंकार भरा हुआ है कि उन्होंने अदालत द्वारा मौका दिए जाने पर भी माफी नहीं मांगी।

उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे और जयराम रमेश जैसे कांग्रेस नेता अपने आचरण से राज्यसभा के सभापति का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने गांधी पर वीर सावरकर का अपमान करने का भी आरोप लगाया।

शेखावत ने कहा, राहुल गांधी ने सही कहा है कि वह सावरकर नहीं हैं। अगर राहुल वास्तव में सावरकर को जानना चाहते हैं, तो उन्हें अंडमान जेल जाना चाहिए और वहां समय बिताना चाहिए ताकि वह जान सकें कि वास्तव में सावरकर कौन थे और उन्होंने क्या कुर्बानियां दी थीं।

मोदी सरकार के पास राहुल के सवालों का जवाब नहीं : खड़गे

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेन्सी)। कांग्रेस ने सोमवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि उनके पास अदानी मुद्दे पर अब अयोग्य सांसद राहुल गांधी द्वारा पूछे गए सवालों का कोई जवाब नहीं है।

संसद के बाहर एक विरोध मार्च के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए, खड़गे ने पूछा, आप अदानी पर जेपीसी से क्यों डर रहे हैं? आपके पास संसद में दो-तिहाई बहुमत है, फिर आप डरे हुए क्यों हैं? इसका मतलब है कि कुछ गड़बड़ है? पार्टी सदस्यों के काले कपड़े पहनने पर खड़गे ने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए काला दिन है।

खड़गे ने कहा, हम यहां काले कपड़े में क्यों हैं? हम यह दिखाना चाहते हैं कि पीएम मोदी देश में लोकतंत्र को खत्म कर रहे हैं। उन्होंने पहले स्वायत्त निकायों को खत्म किया, फिर उन्होंने चुनाव जीतने वालों को डरा-धमकाकर हर जगह अपनी सरकारें खड़ी कर दीं। फिर उन्होंने ईडी का इस्तेमाल किया, और जो नहीं झुके उन्हें झुकाने के लिए सीबीआई।

कांग्रेस अध्यक्ष ने लोकसभा सांसद के रूप में राहुल गांधी की अयोग्यता का जिक्र करते हुए कहा, राहुल गांधी ने पीएम मोदी से पूछा कि वह अदानी को अपने साथ क्यों ले जाते हैं, दौरे पर उन्हें अन्य नेताओं और व्यापारिक समुदाय से मिलने की अनुमति क्यों देते हैं, और अदानी जहां प्रधानमंत्री की आधिकारिक यात्रा है, वहां कैसे पहुंचते हैं।

खड़गे ने आरोप लगाया कि केंद्र इन सवालों का जवाब देने से डर रही है और खुद को बचाने के लिए राहुल गांधी को अयोग्य ठहराने का विकल्प चुना।

जिलाधिकारी ने किया बलॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट और वायाडक्ट का निरीक्षण

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 27 मार्च । जिला कलेक्टर पाकिम ताशी छोफेल ने आज रंगपो में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट और वायाडक्ट का निरीक्षण किया।

डीसी पाकिम ने रंगपो पीएचसी में ब्लॉक हेल्थ यूनिट बिल्डिंग साइट के अपने दौरे के दौरान ठेकेदार के साथ संबंधित विभाग के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें मई के पहले सप्ताह तक बकाया काम पूरा करने का निर्देश दिया।

इसके अतिरिक्त, वह अस्पताल गए और रंगपो एच एंड डब्ल्यू पीएचसी के प्रभारी डॉ. निखेल टोपडेन के साथ पूरे परिसर का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम रंगपो, श्रीमती सुजाता सुब्बा और भवन एवं आवास विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

जिलास्तरीय नारकोटिक्स समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 27 मार्च । मादक पदार्थों के उपयोग के खिलाफ जागरुकता तथा इसके रोकथाम हेतु आज स्थानीय जिला शासक सभागार में डीसी भीम ठटाल की अध्यक्षता में जिलास्तरीय नारकोटिक्स समन्वय समिति (एनसीओआरडी) की एक बैठक आयोजित हुई। इसमें जिला पुलिस अधीक्षक अर्जुन तमांग, एडीसी धीरज सुबेदी, एसडीएम सनी खरेल, एसडीएम मुख्यालय डीआर बिष्ट, सीएमओ डॉ. बिकाश प्रधान के अलावा एसएसबी उप-कमांडेंट उपेंद्र कौशिक, संयुक्त कृषि निदेशक प्रणय गुरुंग, संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक डॉ. मेनुका, एसडीपीओ बिमल गुरुंग एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इस दौरान पूर्व बैठकों में हुई चर्चा के क्रम में डीसी ने नशा विरोधी कार्यों, स्कूल-कॉलेजों एवं समाज में जागरुकतामूलक कार्यक्रमों, जब्त किये गये मादक पदार्थों के उचित निपटान आदि कई मुद्दों की समीक्षा की। वहीं, बैठक में सम्बंधित अधिकारियों द्वारा मुख्य रूप से जिले में अवैध रूप से उगाई जाने वाली अफीम या भांग की फसलों को नष्ट करने के बारे में भी विचार-विमर्श हुआ। इस पर डीसी ने अधिकारियों को नियमित रूप से ऐसी अवैध खेती की निगरानी करने एवं इसमें संबंधित क्षेत्रों के वीएलडब्ल्यू से मदद लेने की बात कही। साथ ही उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को नशीली दवाओं या मादक पदार्थों के सेवन के विनाशकारी परिणामों के बारे में स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में अधिक जागरूकता लाने हेतु सारथी जैसे समूहों के साथ विस्तृत बातचीत करने का सुझाव भी दिया। इसी तरह, उन्होंने अधिकारियों को स्कूल प्रबंधन समिति की बैठकों में माता-पिता की भागीदारी को प्रोत्साहित करने का निर्देश देते हुए जिले में 'वन डे एट ए स्कूल' पहल के माध्यम से कमजोर बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देने में स्वास्थ्य अधिकारियों एवं स्वास्थ्य राजदूतों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर भी प्रकाश डाला।

इसके अलावा, डीसी ने नशीली दवाओं के दुरूपयोग और तस्करी के खिलाफ जागरूकता पैदा करने में एसएसबी की गई पहल के बारे में भी जानकारी ली और वर्तमान आईईसी तंत्र के विकास में आवश्यक भागीदारी को प्रोत्साहित किया।

इस दौरान एसपी अर्जुन तामंग ने ग्राम सभाओं के माध्यम से जनता में जागरूकता कार्यक्रम जैसी कुछ जानकारी दी। उन्होंने जब्त की गई दवाओं को कानूनी रूप से निपटाने की उचित विधि की भी जानकारी दी। वहीं आगे तिमाही आधार पर एनसीओआरडी की बैठक आयोजित करने के निर्णय के साथ आज की बैठक समाप्त हुई।

'सीएम नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए किया है बहुत काम, मिले नोबेल प्राइज...' मांझी ने की मांग

पटना, 27 मार्च (का.सं.)। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए एक बार फिर नोबेल पुरस्कार देने की मांग उठी है। मंत्री संजय झा के बाद आज बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और 'हम' प्रमुख जीतन राम मांझी ने सीएम नीतीश कुमार को नोबेल पुरस्कार देने की मांग की है।

जीतन राम मांझी ने कहा है कि सीएम नीतीश कुमार ने बिहार में समाज सुधार के लिए कई काम किए हैं। नीतीश कुमार ने खासकर राज्य की महिलाओं के उत्थान के लिए बहुत काम किया है। इन सबके लिए नीतीश कुमार को नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। बता दें, बिहार बजट सत्र के दौरान विधान परिषद में राज्य के जल संसाधन और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय झा ने विधान परिषद में नीतीश कुमार को नोबेल पुरस्कार देने की मांग की थी।

तब लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) अध्यक्ष चिराग पासवान ने नीतीश कुमार को नोबेल पुरस्कार देने की की मांग पर तंज कसा था। जमुई सासंद चिराग पासवान ने कहा था कि नीतीश कुमार केवल बिहार को बख्श दें, बाकी देश-दुनिया से जो चाहें ले लें। आज बिहार में कानून व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था सब चौपट हो गई है।

बता दें, जीतन राम मांझी और संजय झा से पहले नीतीश कुमार के लिए जेडीयू एमएलसी ने भी नीतीश कुमार को नोबेल पुरस्कार देने की मांग की थी। जेडीयू एमएलसी खालिद अनवर ने बिहार विधान परिषद में पर्यावरण सुधार के लिए सीएम नीतीश को नोबेल पुरस्कार देने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि राज्य में पर्यावरण के लिए जैसा काम नीतीश कुमार ने किया है, वैसा किसी राज्य के सीएम ने नहीं किया है।

जी20 की बैठक को लेकर एसएफजे ने सीएम धामी को दी धमकी

देहरादून, 27 मार्च (एजेन्सी)। उत्तराखंड के रामनगर में मंगलवार से शुरू होने वाले जी-20 समिट के लिए जहां एक तरफ प्रशासन जोर शोर से तैयारियों को अन्तिम रूप दे रहा है, वहीं प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) द्वारा धमकी देने के बाद पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू ने रामनगर में होने वाली जी20 बैठक को लेकर मीडिया और सरकारी कर्मियों को धमकी दी है। इस प्रकार के फोन कॉल मीडिया कर्मियों और कर्मचारियों को आए हैं। पुलिस अलर्ट हो गई है।

इतना ही नहीं, खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत पन्नू ने कॉल पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी धमकी दे रहा है। उसने कहा है कि यदि उत्तराखंड में उनके संगठनों के लोगों पर मुकदमे दर्ज हुए तो इसके लिए जिम्मेदार मुख्यमंत्री होंगे। रात तक यह मामला डीजीपी अशोक कुमार के संज्ञान में भी आ गया। उन्होंने इसकी तत्काल एसटीएफ से जांच कराने के निर्देश जारी कर दिए हैं। एसटीएफ ने इन तमाम नंबरों को ट्रेस करना शुरू कर दिया है।

आपको बता दें कि, एसएफजे मुखिया पन्नू की रिकॉर्डेड आवाज में इस तरह के धमकी वाली कॉल रविवार शाम को सैकड़ों नंबरों पर आई। इसमें पन्नू ने रामनगर को खालिस्तान का हिस्सा बताते हुए बैठक के दौरान वहां धमकी दी थी। खालिस्तान के समर्थन में झंडे लगाने की बात कही है।

यह कॉल कई नंबरों से की गई है। एसएफजे के मुखिया पन्नू की रिकॉर्डेड आवाज वाली कॉल की जांच शुरू कर दी गई है। इसमें पन्नू धमकी भरे अंदाज में कह रहा है कि, रामनगर भारत का हिस्सा नहीं बल्कि खालिस्तान है। सिख फॉर जस्टिस रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट समेत बैठक के दौरान वहां खालिस्तान के समर्थन में झंडे लगाएगा। इससे पहले पन्नू ने बीते 15 मार्च को अमृतसर में हुए जी-20 सम्मेलन को लेकर भी इसी तरह की कॉल आई थी।

आपको बता दें कि, यह पहला मामला नहीं है जब पन्नू के इस तरह के मैसेज वायरल हुए हों। पहले भी कई बार इस तरह से लोगों के पास कॉल आती रही हैं। हालांकि, पुलिस अधिकारियों के मुताबिक उत्तराखंड में सिख फॉर जस्टिस संगठन का कोई आधार नहीं है। यहां पर उसके समर्थक भी पुलिस की नजर में नहीं आए हैं।

पन्नू अमेरिका में रहता है और न्यूयॉर्क में वकालत करता है। उसे सिख फॉर जस्टिस का चेहरा माना जाता है। पन्नू कई सारी आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। पन्नू ने दो साल पहले रेफरेंडम 2020'' आयोजित करने की कोशिश की थी,

जिसमें उसने दुनियाभर के सिखों खालिस्तान के समर्थन में वोट देने की अपील की थी। वह युवाओं को खालिस्तान के लिए भड़काता रहा है। जुलाई 2020 में पन्नू को यूएपीए (गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम कानून) के तहत आतंकवादी घोषित किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पन्नू ने एक बार भारतीय छात्रों को खालिस्तानी झंडा उठाने और खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाने को कहा था और इसके बदले में उन्हें आईफोन 12 मिनी देने का वादा किया था।

रिश्वत लेने के मामले में कर्नाटक के बीजेपी विधायक मदल विरुपाक्षप्पा गिरफ्तार

बेंगलुरु, 27 मार्च (एजेन्सी)। कर्नाटक में चन्नागिरी के भाजपा विधायक के मदल विरुपक्षप्पा को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भाजपा विधायक की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद से ही उनकी गिरफ्तारी लगभग तय मानी जा रही थी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान लोकायुक्त के वकील ने जमानत अर्जी पर कड़ी आपत्ति जताई थी। इसके बाद एकल न्यायाधीश की खंडपीठ ने जमानत अर्जी खारिज कर दी थी।

लोकायुक्त की भ्रष्टाचार रोधी शाखा ने कुछ दिन पहले ही विधायक के बेटे प्रशांत मदल को 40 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। प्रशांत मदल को लोकायुक्त अधिकारियों ने उसके कार्यालय से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। करप्शन विंग को भाजपा विधायक के कार्यालय से 1.7 और घर से करीब छह करोड़ रुपये बरामद हुए थे। लोकायुक्त को रिश्वत मांगने की शिकायत मिली थी। लोकायुक्त की इस कार्रवाई के बाद मदल विरुपक्षप्पा ने कर्नाटक साबुन और डिटर्जेंट लिमिटेड के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

मदल विरुपक्षप्पा लगातार दो बार दावणगेरे जिले के चन्नागिरी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हैं। उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपने हलफनामे में 5.73 करोड़ रुपये की संपत्ति का खुलासा किया था। 2013 के चुनावों में, उन्होंने 1.79 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी।

कर्नाटक में इसी साल विधानसभा चुनाव होना है। ऐसे में लोकायुक्त की कार्रवाई चर्चा विषय बना हुई है। भाजपा विधायक के बेटे के खिलाफ हुई ये कार्रवाई चुनावी मुद्दा भी बनी हुई है। इसे लेकर कांग्रेस और आप दोनों ही पार्टियां भाजपा पर हमलावर हैं।

सम्राट चौधरी का सीएम नीतीश पर हमलर, 'मंडल' की बात कर दे दिया खुला चैलेंज

पटना, 27 मार्च (का.सं.)। बिहार बीजेपी के मुखिया बनने के बाद पहली बार सम्राट चौधरी पार्टी कार्यालय पहुंचे। पार्टी मुख्यालय में सम्राट चौधरी का भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर बिहार बीजेपी अध्यक्ष ने महागठबंधन सरकार पर जमकर बरसे। इस मौके पर सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार का बजट केंद्र सरकार की राशि पर निर्भर करता है। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार का बजट 2 लाख 61 हजार करोड़ का है। इसमें से मात्र 39 हज़ार करोड़ रुपये ही नीतीश सरकार अपने दम पर जुटा पाती है। बाकी की बची शेष राशि केंद्र सरकार की है, जिसके जरिए बिहार में विकास का कार्य किया जाता है। यानी सम्राट चौधरी ने बड़े स्मार्ट तरीके से बताया कि नीतीश कुमार बिहार में जो विकास का दावा करते हैं, दरअसल वह केंद्रीय योजना के तहत दी जाने वाली राशि से होने वाला विकास कार्य है। सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि एक तरफ बिहार सरकार 2 लाख 61 हजार करोड़ का बजट पेश करती है। वहीं पड़ोसी उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलने वाली बीजेपी की सरकार करीब 40 लाख करोड़ का बजट पेश करने जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी से बिहार की स्थिति का आकलन किया जा सकता है कि हमारा प्रदेश कहां खड़ा है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि के पिता शकुनी चौधरी पहले कांग्रेस में हुआ करते थे। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें न तो नेता प्रतिपक्ष बनाया न ही कोई पद दिया। सम्राट चौधरी ने कहा कि वैसे भी उनके पिता को किसी पद की लालसा नहीं थी लेकिन पार्टी के लिए दिन रात मेहनत करने वाले उनके पिताजी को तवज्जो तक नहीं दी जाती थी। सम्राट चौधरी ने कहा कि लोग यह जानते हैं कि समता पार्टी का गठन नीतीश कुमार ने किया था। जबकि हकीकत यह है कि समता पार्टी का गठन मेरे पिताजी ने किया था लेकिन नीतीश कुमार ने उस पर कब्जा कर लिया था।

सम्राट चौधरी ने कहा कि बीजेपी के स्थापना दिवस के मौके पर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित करने का काम किया जाएगा। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की पार्टी के स्थापना दिवस 6 अप्रैल को बिहार के तमाम बूथ अध्यक्ष के घर पर भारतीय जनता पार्टी का झंडा फहराया जाएगा। उन्होंने बूथ को और सशक्त बनाने की दिशा में काम करने की योजना का भी खुलासा किया। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी। यानी 6 अप्रैल 2023 को भारतीय जनता पार्टी अपना 44वां स्थापना दिवस मनाने जा रही है।

बिहार बीजेपी के नवनियुक्त अध्यक्ष सम्राट चौधरी हमेशा अपने सिर पर भगवा गमछा बांधे रहते हैं। इसका कारण यह है कि सम्राट चौधरी ने यह प्रण लिया है कि वह जब तक बिहार में महागठबंधन की सरकार को गिरा कर नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री के पद से नहीं हटा देंगे, तब तक वह अपने सिर पर भगवा गमछा बांधे रहेंगे। बिहार बीजेपी अध्यक्ष के तौर पर पदभार ग्रहण करने के बाद सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार पर प्रहार करते हुए कहा कि सबसे पहले लालू प्रसाद यादव ने बीजेपी के सहयोग से अपनी सरकार बनाई थी। लेकिन जब लालू सरकार गलत रास्ते पर जाने लगी तब बीजेपी ने अपना रास्ता बदल लिया। इसके बाद बीजेपी के सहयोग से ही नीतीश कुमार 17 साल तक बिहार के मुख्यमंत्री बने रहे। लेकिन नीतीश कुमार ने अब तुष्टिकरण की राजनीति शुरू करने के साथ भ्रष्टाचार और अपराध से भी समझौता कर लिया है। इसलिए अबकी बार बिहार की जनता प्रदेश में बीजेपी का मुख्यमंत्री चाहती है। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को मेहनत करनी पड़ेगी। सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि बिहार में बीजेपी के मंडल अध्यक्ष को भी अगर मुख्यमंत्री बना दिया जाए तो वह नीतीश कुमार से बेहतर काम करके दिखा सकता है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने दावा किया कि 2024 लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी बिहार में 2019 लोकसभा चुनाव की तरह प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि देश के साथ बिहार की जनता भी यह जान चुकी है कि दुनिया में आज भारत का डंका बज रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश दुनिया की पांचवीं आर्थिक अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि आज जनता जानती है कि पूरी दुनिया में आर्थिक मंदी की वजह से अमेरिका यूरोप में संकट के बादल गहरा रहे हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार की वजह से भारत न सिर्फ तेजी से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है बल्कि आने वाले समय में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि नरेंद्र मोदी 2024 में भी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जो वर्तमान स्थिति है, इसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि बिहार की जनता अब देश में बीजेपी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार देखना चाहती है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि 2025 में बीजेपी की सरकार बिहार में बने इससे बेहतरीन मौका और कोई नहीं हो सकता।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR GANGA MORNING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:122 DrawDate on:27/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 71L 58276
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 58276 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
14468 24500 51358 54306 56746 65934 72091 77244 83910 99728
3rd Prize ₹450/-
0974 2421 2713 4420 4686 5387 5453 5578 6333 9730
4th Prize ₹250/-
0073 0748 1304 4283 4830 5051 5779 6846 7132 7871
5th Prize ₹120/-
0025 0027 0059 0274 0398 0582 0671 0707 0804 0958
1082 1089 1100 1666 1677 1781 1827 1842 1855 1897
2140 2161 2220 2259 2262 2276 2316 2501 2619 2676
3278 3474 3753 3948 3955 4143 4182 4345 4410 4437
4447 4461 4484 4504 4544 4645 4923 4965 5075 5180
5277 5431 5554 6021 6077 6279 6324 6359 6374 6394
6482 6572 6630 6668 6669 6782 6803 7013 7033 7161
7168 7220 7270 7275 7526 7582 7657 7702 7767 7999
8006 8024 8036 8161 8257 8281 8331 8349 8374 8418
8549 8553 8611 8849 8984 9428 9506 9514 9799 9955
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR SUN MONDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:122 DrawDate on:27/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 87A 91594
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 91594 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
23977 31201 33345 36852 40899 63475 73943 78460 93727 99106
3rd Prize ₹450/-
0294 3164 3528 3649 3852 5291 7138 7613 7666 9642
4th Prize ₹250/-
0454 1040 1556 3015 3047 5022 6568 6597 8243 8530
5th Prize ₹120/-
0046 0060 0137 0258 0345 0375 0396 0602 0781 0928
0941 1203 1217 1313 1370 1497 1504 1505 1516 1599
1603 1726 1740 1927 1945 1967 2071 2101 2149 2249
2279 2545 2884 2938 3203 3354 3422 3507 3603 3826
3841 4045 4197 4327 4333 4335 4435 4458 4603 4799
4818 4900 4927 4957 5071 5091 5350 5551 5558 5578
5587 5630 5693 5742 6064 6107 6115 6352 6439 6580
6638 7122 7131 7187 7245 7320 7505 7521 7626 7875
7980 8007 8053 8068 8221 8326 8511 8740 8821 8844
8939 9065 9365 9424 9609 9661 9664 9722 9851 9961
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FLAMINGO EVENING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:222 DrawDate on:27/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 63J 52391
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 52391 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
09042 27749 29788 34260 44073 48186 62173 75272 75524 77855
3rd Prize ₹450/-
0933 0949 1202 1922 2152 2966 4475 7620 7678 8862
4th Prize ₹250/-
0308 0532 0699 2259 2608 4451 5832 5963 5965 9068
5th Prize ₹120/-
0149 0212 0338 0421 0546 0610 0684 0898 0961 0968
1007 1019 1231 1348 1358 1509 1544 1663 2226 2373
2413 2550 2772 2875 2993 3281 3426 3445 3490 3959
3980 4012 4047 4202 4308 4335 4386 4487 4491 4528
4617 4675 4775 4822 4877 4890 4980 5045 5102 5247
5415 5651 5816 5887 5971 5994 6011 6398 6599 6631
6774 6787 6841 6849 7057 7066 7195 7280 7415 7468
7479 7483 7555 7685 7755 7962 7980 8023 8170 8214
8277 8283 8601 8664 8787 9087 9089 9109 9241 9309
9489 9541 9621 9689 9856 9876 9911 9942 9957 9987
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

दुष्प्रचार बंद हो

अमेरिका के वॉशिंगटन में शनिवार को खालिस्तान समर्थकों के एक विरोध प्रदर्शन को कवर कर रहे भारतीय पत्रकार पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मिली जानकारी के मुताबिक, उनके साथ खालिस्तान समर्थकों ने गाली-गलौज भी की। वैसे अच्छी बात यह रही कि उनकी शिकायत पर सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें आवश्यक सुरक्षा मुहैया कराई। लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ समय से विदेश में खालिस्तान समर्थकों की सक्रियता बढ़ी है। खासकर, पंजाब में अमृतपाल सिंह के खिलाफ शुरू हुई पुलिस कार्रवाई के बाद उसका भागे-भागे फिरना उसकी उस छवि के एकदम विपरीत है, जो खालिस्तान के पक्ष में माहौल बनाने की साजिश में शामिल शक्तियां रचने में लगी हुई थीं। खुद अमृतपाल भी ऐसे दावे करता था कि अगर पुलिस ने उसे हाथ भी लगाया तो पंजाब में हिंसा की लहर फैल जाएगी। यह सब उस व्यापक और झूठे दुष्प्रचार का हिस्सा था, जो खालिस्तान समर्थक शक्तियां देश-विदेश में लगातार चलाती रही हैं। अमृतपाल की हकीकत इस बात का जीता-जागता सबूत है कि यह दुष्प्रचार कितनी बेबुनियाद बातों पर आधारित रहा है। मगर इसी दुष्प्रचार का परिणाम है कि प्रवासी भारतीयों का एक छोटा सा हिस्सा इसके प्रभाव में आ गया है। इसी के सहयोग से विदेश में विरोध-प्रदर्शनों और सांकेतिक जनमत संग्रहों आदि के जरिए ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है मानो खालिस्तान समर्थक ताकतें बहुत मजबूत हो गई हों।

इन कोशिशों को गंभीरता से लेते हुए भी हमें इनकी असलियत को लेकर किसी तरह का भ्रम नहीं पालना चाहिए। हकीकत यह है कि खालिस्तान समर्थक तत्व आज की तारीख में इंटरनेट के सहारे माहौल बनाने की थोड़ी-बहुत कोशिश भले करें, जमीन पर ठोस कुछ हासिल करने की स्थिति में नहीं हैं। इनकी ताकत का जो सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है, उस पाकिस्तान की हालत खुद खस्ता हो चुकी है। इसके बावजूद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की ओर से अमृतपाल को मदद देने की बातें सामने आई हैं। जहां तक भारत में, खासकर पंजाब के अंदर की बात है तो वहां भी बड़ा वर्ग इन लोगों के खिलाफ है। पंजाब के लोग अलगाववाद को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। अलगाववादी नेता सिमरनजीत सिंह मान ने एक सीट भले निकाल ली हो, याद रखना चाहिए कि हालिया विधानसभा चुनावों मे उनकी पार्टी को बमुश्किल 2.5 फीसदी वोट मिले। पिछले विधानसभा चुनावों में तो अलगाववादियों से ज्यादा वोट नोटा बटन के हिस्से में आए थे। मगर इन सबका मतलब कहीं से भी यह नहीं है कि विदेश में खालिस्तान के नाम पर हो रहे इन तमाशों को अनदेखा करना चाहिए। जरूरी है कि भारत सरकार इसे गंभीरता से लेते हुए सुनिश्चित करे कि संबंधित सरकारें भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंड़ता से जुड़े इस मसले को हलके में न लें।

सतत जलवायु के लिए जल संरक्षण

पंकज कुमार
सचिव
जल संसाधन विभाग

भारत ने 1 दिसंबर, 2022 को इंडोनेशिया से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की। जी-20 नेतृत्व, देश को ग्लोबल वार्मिंग, भोजन और ऊर्जा की कमी, आतंकवाद, भू-राजनीतिक संघर्ष और डिजिटल अंतर को कम करने समेत विभिन्न आकस्मिक स्थितियों से मुकाबला करने के लिए दुनिया को 'भारत के प्रयास तथा वर्तमान स्थिति' (इंडिया स्टोरी) को सामने रखने का अवसर प्रदान करता है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत की जी-20 अध्यक्षता; पिछली 17 अध्यक्षता के कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के आधार पर आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस वर्ष की जी-20 थीम 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'; भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' (विश्व एक परिवार है) के अंतर्निहित दर्शन को पूरी तरह से व्यक्त करती है। यह दर्शन भारत के जी-20 नेतृत्व का मार्गदर्शन करेगा।

पहली जी-20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) की बैठक एक सकारात्मक परिणाम के साथ संपन्न हुई, जिसमें सभी जी-20 देशों ने भारत की अध्यक्षता के अंतर्गत पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी) द्वारा प्रस्तावित विषयों पर अपना समर्थन व्यक्त किया। निम्न उर्वरता भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने, समुद्र-तटीय क्षेत्रों में नीली अर्थव्यवस्था के जरिये सतत विकास को बढ़ावा देने, जैव विविधता को बढ़ाने, जंगल की आग और समुद्री कचरे को रोकने, चक्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने आदि विषयों पर हुई गहन चर्चा ने दूसरे शिखर सम्मेलन में अधिक सकारात्मक व दृष्टिगत विचार-विमर्श के लिए मंच तैयार किया है।

अपनी जी-20 की अध्यक्षता के कार्यकाल के दौरान, भारत जलवायु परिवर्तन और जल संकट की चुनौतियों से जुड़े प्रभाव को कम करने के लिए एक एकीकृत, व्यापक और सर्वसम्मति पर आधारित दृष्टिकोण के प्रति आशान्वित है। जल संरक्षण, वास्तव में, भारतीय पहचान और सांस्कृतिक इतिहास का अभिन्न अंग है और वर्तमान समय में यह और अधिक प्रासंगिक हो गया है। पानी की 'बचत' करना, केवल जल संरक्षण से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह हम सबकी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, चाहे समय और स्थान कोई भी हो।

भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने कृत्रिम पुनर्भरण और वर्षा जल संचयन के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। जल जीवन मिशन कार्यक्रम का लक्ष्य, 2024 तक 193 मिलियन से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से पेयजल आपूर्ति की सुविधा प्रदान करना है। हमारे महत्वाकांक्षी नमामि गंगे मिशन ने नदी के कायाकल्प, प्रदूषण में कमी, पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण और नदी बेसिन प्रबंधन के समग्र दृष्टिकोण आदि के सन्दर्भ में मूलभूत बदलाव किये हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने इसे प्राकृतिक जगत को पुनर्जीवित करने के लिए विश्व के शीर्ष 10 कायाकल्प कार्यक्रमों (रेस्टोरेशन फ़्लैगशिप) में से एक के रूप में मान्यता दी है।

अति महत्वपूर्ण जल भंडारण अवसंरचना को जलवायु अनुकूल बनाने के लिए भारत, दुनिया के सबसे बड़े बांध पुनर्वास कार्यक्रम का भी कार्यान्वयन कर रहा है।

इसके अलावा, मांग और आपूर्ति पक्ष से जुड़े कार्यक्रमों के संयोजन के माध्यम से भूजल संसाधनों के दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए, अटल भूजल योजना लागू की जा रही है। यह योजना समुदाय के नेतृत्व में, ग्राम पंचायत-वार जल सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से वर्तमान में चल रही/नई योजनाओं के संयोजन के जरिये कार्यान्वित की जा रही है।

इन प्रयासों और कई अन्य योजनाओं के साथ, भारत वर्ष 2047 तक जल सुरक्षित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ रहा है। इस परिदृश्य में, हम दूसरी जी-20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) बैठक की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हैं। यह बैठक जल संरक्षण और सतत तथा समानता आधारित जल संसाधनों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करेगी।

हमें उम्मीद है कि जल संसाधन प्रबंधन पर वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों और अभिनव विचारों पर चर्चा करने के लिए बैठक में विभिन्न जी-20 देशों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत नदी कायाकल्प; जलवायु-अनुकूल अवसंरचना; भूजल प्रबंधन; स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन के माध्यम से स्वच्छता तथा स्वच्छ पेयजल तक सार्वभौमिक पहुंच के लिए रणनीति आदि विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए होने वाली चर्चाओं से भाग लेने वाले देशों को एक दूसरे से सीखने और सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

इतिहास और विरासत गुजरात के पर्याय हैं। गौरवशाली गुजरात में कई प्राचीन शहरों के अवशेषों, महलों, किलों और मकबरे मौजूद हैं, जो राजवंशों के भव्य स्वर्ण युग को दर्शाते हैं। रानी की वाव और अडालज वाव की बावड़ी; प्राचीन जल प्रबंधन प्रथाओं को प्रदर्शित करती हैं तथा ये जल संसाधन संरक्षण के लिए भारत की दीर्घकालिक परंपरा की द्योतक हैं। गुजरात, पुराने और नए पारंपरिक जल ज्ञान तथा जल अवसंरचना निर्माण में उपयोग की जाने वाली आधुनिक तकनीकों के मिश्रण के साथ, 20 देशों को एक मूल्यवान मंच प्रदान करेगा, ताकि प्रत्येक देश का सर्वश्रेष्ठ सामने आ सके और प्रत्येक देश से सीखने का अवसर मिल सके।

प्रौद्योगिकी से बदलता जीवन

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय मंत्री

कुछ साल पहले तक प्रौद्योगिकी सुलभ होना किसी के लिए बड़े सौभाग्य की बात मानी जाती थी और यह केवल शहरी अभिजात वर्ग तक ही सीमित थी। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग तो इंटरनेट का खर्च उठाने में स्वयं को बिल्कुल असमर्थ पाते थे। वर्ष 2014 तक केवल 25 करोड़ भारतीय ही इंटरनेट का उपयोग किया करते थे। यह संख्या बढ़कर वर्ष 2022 में 84 करोड़ के आंकड़े को छू गई। पहले एक जीबी डाटा की कीमत करीब 300 रुपये होती थी, जो घटकर लगभग 13.5 रुपये प्रति जीबी रह गई है। इंटरनेट सस्ता हो जाने से लोग विभिन्न सेवाओं का लाभ बड़ी आसानी से उठाने लगे। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रौद्योगिकी को गरीबी के खिलाफ लड़ाई के एक अहम साधन में बदलने से लोगों को काफी लाभ हुआ है। डिजिटल प्रौद्योगिकियां हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई हैं। एआई, 5जी और क्वांटम प्रौद्योगिकी का चलन अब इतना ज्यादा बढ़ गया है कि वे अब मुख्यधारा में शामिल होती जा रही हैं।

भारत ने ऐसे सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित किया, जो सभी को उपलब्ध हैं एवं बड़े पैमाने पर सृजित किए गए हैं। कोविन की बदौलत भारत ने अब तक करीब 220 करोड़ खुराक दे दी है। आज कोविन समस्त देशवासियों को डिजिटल प्रौद्योगिकी सुलभ कराने का एक अभूतपूर्व उदाहरण बन गया है। आज पूरे भारत में स्ट्रीट वेंडर्स, छोटी-छोटी दुकानों से लेकर बड़े-बड़े शोरूम तक में डिजिटल भुगतान के लिए क्यूआर कोड स्टिकर नजर आते हैं।

सार्वजनिक धन का उपयोग करके सरकार ने एक ऐसा ख़्लेटफॉर्म बनाया है, जिससे बैंक, बीमा कंपनियां, ई-कॉमर्स कंपनियां, एमएसएमई, स्टार्ट-अख़्स और सबसे महत्वपूर्ण 120 करोड़ लोग जुड़ गए हैं। वर्ष 2016 में लॉन्च किया गया यूपीआई अब हर साल 15 खरब डॉलर मूल्य का लेन-देन करता है। प्रत्येक लेन-देन के लिए औसत निपटान समय दो सेकंड है। इससे पारदर्शिता और सहूलियत बढ़ी है। यही कारण है कि भारत का यूपीआई अब डिजिटल भुगतान के लिए एक वैश्विक मानक बन गया है। लोगों के जीवन को आसान बनाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका दिन-ब-दिन बढ़ती ही जा रही है।

फास्टैग से अब वाहन राजमार्गों पर बिना रुके फर्राटे भरते हैं। 5जी का शुभारंभ होने के साथ ही प्रौद्योगिकी ने ऊंची छलांग लगाई है और 481 जिलों में 5जी कवरेज वाली एक लाख से भी अधिक साइटों को स्थापित किया जा चुका है। भारत आगामी तीन वर्षों में 4जी और 5जी प्रौद्योगिकी का निर्यातक बनने की दिशा में भी निरंतर काम कर रहा है। अब भारत ओसीईएन (ओपन क्रेडिट एनैबलमेंट नेटवर्क) विकसित कर रहा है, जो बैंकिंग प्रणाली को नकदी प्रवाह-आधारित ऋण व्यवस्था में परिवर्तित करके देश भर में कर्जों की उपलब्धता काफी हद तक बढ़ा देगा। ओसीईएन से लोगों को ऋण देने के लिए विभिन्न बैंकों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी, जिससे कर्ज की लागत कम हो जाएगी। मॉर्गन स्टेनली के अनुमान के अनुसार, इसकी बदौलत कर्ज-जीडीपी अनुपात मौजूदा 57 फीसदी से बढ़कर वर्ष 2031 तक 100 फीसदी हो जाएगा।

डिजिटल और प्रौद्योगिकी-आधारित क्रांति आम नागरिकों के जीवन को सशक्त और रूपांतरित कर रही है। यह सबसे गरीब और वंचित वर्गों को सशक्त बना रही है और देश को युवा एवं प्रतिभाशाली पीढ़ी की रचनात्मक सोच के जरिये कुछ विशेष सृजित करने की क्षमता प्रदान कर रही है। इसी मॉडल को अब विभिन्न क्षेत्रों में दोहराया जा रहा है, चाहे वह स्वास्थ्य क्षेत्र हो, शिक्षा क्षेत्र हो, लॉजिस्टिक्स हो, कृषि हो या रक्षा क्षेत्र। ऐसे ख़्लेटफॉर्म सृजित किए जा रहे हैं, जिन पर स्टार्ट-अख़्स या किसी उद्यम का सक्रिय इको सिस्टम आगे चलकर सटीक समाधान विकसित कर सकता है।

वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में भारत अपने अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी, निर्णायक नेतृत्व में भारत की जी-20 अध्यक्षता पथप्रदर्शक साबित होगी, और इस दौरान सार्वजनिक डिजिटल अवसंरचना को पूरी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा।

विकल्प तलाशने की कवायद

शिशिर शुक्ला

सर्वोच्च अदालत द्वारा भारत में मृत्युदंड के तरीके अर्थात फांसी की सजा के विकल्प पर विचार करने के लिए एक समिति के गठन के संकेत दिए गए हैं।

खास बात यह है कि सर्वोच्च न्यायस्थल द्वारा ऐसा निर्णय केवल इसलिए है ताकि मृत्युदंड का कोई ऐसा विकल्प तलाशा जा सके जो अपेक्षाकृत कम दर्दनाक और अधिक मानवीयतापूर्ण हो। दूसरे शब्दों में यदि यह कहा जाए कि शीर्ष अदालत द्वारा जघन्य अपराध के दोषियों के लिए यातनारहित मृत्यु का तरीका ढूंढा जा रहा है, तो गलत नहीं होगा।

जघन्य अपराधों के लिए मृत्युदंड दिए जाने की व्यवस्था तो बहुत प्राचीन काल से विद्यमान है। हम अपने धर्मग्रंथों रामायण एवं महाभारत में वर्णित विभिन्न घटनाओं पर विचार करें तो भी निष्कर्ष यही निकलता है कि गंभीर अपराधों का परिणाम दोषी को मृत्युदंड द्वारा ही भुगतना पड़ता था। आज की स्थिति भी यही है कि भारत में हत्या एवं बलात्कार जैसे अमानवीय कृत्यों के लिए मृत्युदंड के रूप में फांसी की व्यवस्था है। न्याय व्यवस्था के लचीलेपन का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है कि 2009 में तमिलनाडु में सात वर्ष के बच्चे के अपहरण एवं हत्या के दोषी के मृत्युदंड को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बीस वर्ष के आजीवन कारावास में सिर्फ इस तर्क के आधार पर तब्दील कर दिया गया कि अपराधी होने के बावजूद उसमें सुधार की संभावना विद्यमान है। सोलह दिसम्बर, 2012 को दिल्ली में घटित निर्भया कांड को हममें से शायद ही कोई जीवन में भूल पाएगा।

हैवानियत की नग्नता एवं दर्दनाक चीखों से युक्त इस निर्मम घटना ने पूरे देश को दहला कर रख दिया था। ध्यातव्य तो है कि एक ऐसे कांड, जिसमें पशुता की सभी हदें पार कर दी गई हों, का इंसाफ होने में सात वर्ष, तीन माह और तीन दिन लग गए। वो भी पीड़िता की मां द्वारा की गई तमाम जटिल कानूनी कोशिशों के बाद। इसे कहीं न कहीं हमारी न्याय व्यवस्था की कमी कहा जाए अथवा आवश्यकता से अधिक लचीलापन, कि वारदात होने एवं दोषी को सजा मिलने के बीच लंबा समयांतराल होता है, जिसमें पीड़ित अथवा पीड़िता के परिजनों को न्याय की प्रतीक्षा के साथ-साथ उसे हासिल करने के लिए जी जान लगानी पड़ती है। सर्वोच्च अदालत में दाखिल जनहित याचिका में मृत्युदंड के लिए फांसी के तरीके को क्रूर, तकलीफदेह एवं अमानवीय बताते हुए किसी ऐसे तरीके को अपनाए जाने की मांग की गई है जो मानवीय गरिमा को कायम रखने वाला हो। न्यायालय ने केंद्र सरकार से ऐसे वैज्ञानिक डेटा की उपलब्धता को लेकर प्रश्न किया है, जो मृत्यु के विभिन्न तरीकों में होने वाले कष्ट के मापन से संबंधित हो।

याचिकाकर्ता से एक प्रश्न तो निश्चित रूप से किया ही जाना चाहिए कि क्या किसी बहन अथवा बेटी के जीवन से खिलवाड़ करने वाले हैवान द्वारा उस कष्ट के विषय में तनिक भी विचार किया गया था जो पीड़िता द्वारा तड़प-तड़प कर सहा गया। कटु सत्य तो यह है कि आए दिन कभी मासूम बच्चियों से, तो कभी किशोरियों से होने वाले जघन्य अपराध केवल और केवल इस वजह से होते हैं कि अपराधी इनके परिणाम को लेकर निश्चिंत रहता है। उसके अंदर अपराध के दंड को लेकर तनिक भी खौफ नहीं होता। क्या हमारे कानून एवं न्याय व्यवस्था का इतना लचीला होना उचित है कि निर्भया कांड का आरोपी, जिसने सर्वाधिक घृणित एवं दरिंदगीपूर्ण कृत्य को अंजाम दिया, केवल नाबालिग होने के कारण सजा से बच गया। छब्बीस नवम्बर, 2008 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमले का आरोपी, जिसने सैकड़ों निर्दोषों को मौत के घाट उतार कर मुंबई के कई स्थानों को रक्तरंजित कर दिया था, चार वर्ष के बाद फांसी के तख्ते तक पहुंच पाया।

हमें मानना होगा कि कहीं न कहीं हमारी न्याय व्यवस्था एवं अपराधियों के प्रति उसका रवैया जरूरत से ज्यादा नरम है। कल्पना करें कि फांसी के स्थान पर मृत्युदंड का कोई आसान विकल्प उपलब्ध हो जाने एवं उसे लागू कर दिए जाने पर उसका परिणाम क्या होगा। अपराधियों का अपराध के प्रति हौसला बढ़ने के अतिरिक्त इससे कुछ हासिल नहीं होगा। कानून व्यवस्था की बात की जाए तो इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निस्संदेह रोल मॉडल हैं।

अपराधियों के प्रति उनकी जीरो टॉलरेंस नीति एवं तुरंत फैसले का रवैया पूर्णतया अनुकरणीय एवं अद्वितीय है। जब तक अपराधी के अंदर अपराध के दंड को लेकर डर और खौफ नहीं जगेगा, तब तक हत्या और बलात्कार जैसे घृणित कृत्य अपराधियों के लिए खेल की भांति बने रहेंगे और परिणामत: तब तक अपराधमुक्त समाज और राष्ट्र की कल्पना व्यर्थ ही होगी। सर्वोच्च न्यायालय, जो न्याय का अंतिम और सर्वोच्च द्वार है, को ऐसा निर्णय लेना चाहिए जिससे हम अपराधमुक्त होने की दिशा में कदम बढ़ा सकें।

निर्णायक मोड़ पर कांग्रेस

रशीद किदवई

आगामी लोकसभा चुनाव में भले ही अभी करीब साल भर का समय बाकी है, लेकिन देश का राजनीतिक तापमान बहुत तेजी से बढ़ने लगा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सूरत की अदालत से मानहानि के एक आपराधिक मामले में दो वर्ष की सजा सुनाए जाने के बाद संसद की सदस्यता के अयोग्य ठहरा दिया गया है, जिससे कांग्रेस की राजनीति अभी एक निर्णायक मोड़ पर आ गई है। अभी तक गैर-भाजपा दल कांग्रेस को विपक्ष का नेतृत्व सौंपने में आनाकानी कर रहे थे। लेकिन 23 मार्च की घटना के बाद कांग्रेस को गैर-भाजपा विपक्षी दलों का व्यापक समर्थन मिला है।

कह सकते हैं कि यह कांग्रेस के लिए एक सुनहरा अवसर है, लेकिन क्या कांग्रेस इस स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाने में सक्षम है? क्या वह सभी गैर-भाजपा दलों को साथ लेकर भाजपा को टक्कर दे पाएगी? इसमें एक बड़ी अड़चन खुद राहुल गांधी का व्यक्तित्व है। इस घटना के बाद बाकी विपक्षी नेताओं की तुलना में उनका राजनीतिक कद बहुत बढ़ गया है, लेकिन इस कद के साथ उन्हें न्याय करना होगा। और यहीं पर कई अड़चनें दिखाई देती हैं

उन्हें ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, के चंद्रशेखर राव, नीतीश कुमार जैसे विपक्षी नेताओं के साथ तालमेल बनाकर चलना होगा, जो बड़ा कठिन काम है। जबसे राहुल राजनीति में सक्रिय हैं, उन्होंने सहयोगी दलों के नेताओं के साथ एक तरह से दूरी बनाकर रखी। एमके स्टालिन को छोड़ दें, तो बाकी सहयोगी दलों के नेताओं के साथ कभी राहुल ने गर्मजोशी नहीं दिखाई। बल्कि कई बार उन्होंने अपने बयानों से अन्य सहयोगी दलों के नेताओं के लिए मुश्किल ही खड़ी कर दी, जैसे सावरकर को लेकर दिए गए बयान के जरिये उन्होंने उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना को कठिनाइयों में ही डाल दिया। मगर अच्छी बात यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अनुभवी और सुलझे हुए नेता हैं, जिनके तमाम गैर-भाजपा, गैर-राजग दलों से बहुत अच्छे संबंध हैं। लेकिन सवाल है कि जिस तरह महाभारत में अर्जुन के सारथी बने थे श्रीकृष्ण, क्या खरगे वह भूमिका निभा पाएंगे।

राहुल गांधी के साथ जो हुआ है, उसके दो पहलू हैं। एक तो अदालती पहलू है और दूसरा राजनीतिक पहलू है। हमें ध्यान रखना होगा कि जब भी किसी व्यवस्था के खिलाफ विपक्ष लड़ता है, तो वह लड़ाई लंबी होती है। उस लड़ाई को सतत जारी रखने के लिए सिविल सोसाइटी का सहयोग बहुत जरूरी होता है। ऐसा जेपी आंदोलन में भी हुआ था, राजीव गांधी के खिलाफ वीपी सिंह के अभियान में भी हुआ था, और हाल ही में अन्ना आंदोलन के दौरान भी हमने सिविल सोसाइटी की सक्रिय भूमिका देखी थी। यहीं पर कांग्रेस की जमीन कमजोर मालूम पड़ती है। अतीत में भी ऐसा कोई उदाहरण नहीं मिलता कि कांग्रेस ने सिविल सोसाइटी का राजनीतिक फायदा उठाया हो। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के समय जरूर सौ-डेढ़ सौ के करीब सिविल सोसाइटी उनके साथ जुड़ी थी, पर उनमें से अधिकांश गैर-राजनीतिक सिविल सोसाइटी थीं। अब कांग्रेस या राहुल गांधी उन सबको अपने साथ जोड़ पाएंगे, इसे लेकर संशय है।

तीसरी बात, भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए कांग्रेस को उदार हृदय से एक कॉर्डिनेशन कमेटी बनानी चाहिए, जिसमें शरद पवार, फारूक अब्दुल्ला, चंद्रबाबू नायडू जैसे लोगों को शामिल करना चाहिए, जिनकी राजनीतिक साख दलों से ऊपर है। ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, के चंद्रशेखर राव जैसे नेताओं को इसमें सक्रिय भूमिका में लाना चाहिए। बेशक थोड़े-बहुत वैचारिक या मुद्दे आधारित मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इन सबको एकजुट करके पटरी पर लाना बहुत कठिन, मगर महत्वपूर्ण होगा। इसके अलावा, सोशल मीडिया के जमाने में एक और चीज महत्वपूर्ण है-समय, क्योंकि लोगों की याददाश्त बहुत छोटी होती है। जैसे, अभी बहुत से लोगों (जो घोषित रूप से कांग्रेस या भाजपा के समर्थक नहीं हैं) को लगता है कि राहुल गांधी भले ही उतने परिपक्व नेता न हों, लेकिन आपराधिक मानहानि के मामले में जिस तरह उनकी संसद सदस्यता खत्म की गई, वह अनुचित थी। लोगों को लगता है कि यह राजनीति से प्रेरित है, क्योंकि सत्तारूढ़ भाजपा सहित विभिन्न दलों में बहुत से ऐसे नेता हैं, जिन्होंने अनाप-शनाप टिप्पणियां की हैं, लेकिन उन्हें कोई सजा नहीं मिली।

ऐसा सोचने वाले करोड़ों लोग हैं, जो किसी पार्टी के समर्थक नहीं होते हैं, लेकिन चीजों को देखते-समझते और उनका संज्ञान लेते हुए वोट डालते हैं। तो ऐसे वर्ग का लाभ उठाने के लिए कांग्रेस और बाकी विपक्ष को तेजी से और चरणबद्ध तरीके से अपना अभियान चलाना होगा, लेकिन इस घटना को तीन दिन बीत गए हैं, लेकिन उस तरह का एहसास नहीं हो रहा है। राजीव गांधी के समय जिस तरह विपक्ष ने एकजुट होकर संसद से इस्तीफा दे दिया था, वैसी पहल हमें अभी नजर नहीं आ रही है। बाकी विपक्ष को तो छोड़िए, कांग्रेस के भीतर भी उतना आक्रोश नहीं दिखता। यदि किसी रणनीति के तहत कानूनी सरगर्मी नहीं हो रही है, तो राजनीतिक सरगर्मी तो दिखनी चाहिए, अन्यथा यह मामला दबकर रह जाएगा।

राहुल गांधी व्यक्तिगत स्तर पर सरकार पर हमलावर हैं और उन्होंने प्रेस वार्ता में अदाणी के साथ भाजपा के कथित संबंधों पर बोला।

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है। वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को। परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती हैं। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबकि 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें।

बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स्' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गईं हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबु आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कही भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।

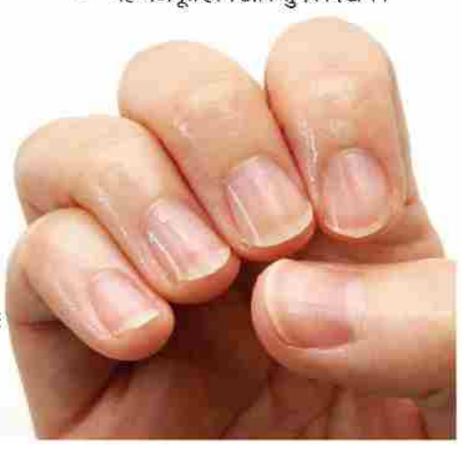

तेजस्वी यादव के पिता बनने पर मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दी बधाई

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को पुत्री रत्न की प्राप्ति पर ट्वीट कर बधाई दी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि पवित्र नवरात्र के दिनों में माता रानी के इस आशीर्वाद के लिए आपको एवं आपके पूरे परिवार को बहुत-बहुत बधाई। बिटिया रानी को खूब सारा दुलार एवं आशीर्वाद। ईश्वर आपके परिवार को सदा खुश रखें। उल्लेखनीय है कि तेजस्वी ने ट्वीट कर लिखा है कि ईश्वर ने आनंदित होकर पुत्री रत्न के रूप में उपहार भेजा है। इसी ट्वीट को पोस्ट करते हुए केजरीवाल ने तेजस्वी को बधाई दी है।

हवाई यात्री को फोन पर धमकी भरा ऑडियो कॉल, केस दर्ज

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक हवाई यात्री को फोन पर धमकी भरा ऑडियो कॉल मिला। रिकॉर्डेड कॉल में खालिस्तानी समर्थकों द्वारा दिल्ली के प्रगति मैदान पर कब्जा करने की बात कही जा रही है। कॉल में यह कहा जा रहा है कि इंडिया के नेशनल फ्लैग को नीचे गिराकर वहां पर खालिस्तान के झंडे लगाएंगे। हवाई यात्री ने एयरपोर्ट पुलिस को बताया कि खालिस्तानी समर्थक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ भी आपत्तिजनक बातें कर रहे थे। उन्होंने अमृतपाल का भी जिक्र किया। मामले की सूचना के बाद दिल्ली पुलिस अलर्ट हो गई। इस मामले में इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट थाने में आईपीसी की धारा 153/153ए और 505 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। डीसीपी एयरपोर्ट ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हवाई यात्री को प्रीरिकॉर्डेड ऑडियो कॉल आया है। इस मामले की जांच स्पेशल सेल को सौंप दी गई है।

अब 'अडानी की फर्जी कंपनियों में 20 हजार करोड़ किसके मोडानी जी जवाब दो' के लगे पोस्टर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कुछ दिनों से जमकर पोस्टरबाजी हो रही है। इसी बीच दिल्ली में एक पोस्टर नजर आ रहा है जिसपर लिखा है, अडानी की फर्जी कंपनियों में 20,000 करोड़ रुपये किसके हैं मोडानी जी जवाब दो। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी की सदस्यता खत्म होने के बाद राहुल गांधी ने प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि आप बेशक से मेरी सदस्यता खत्म कर दें, लेकिन मैं अडानी मुद्दे को लेकर चुप नहीं रहूंगा। इसके लिए जो भी कीमत चुकानी पड़े मैं चुकाऊंगा और मोदी सरकार से इस मामले पर जवाब लेकर आऊंगा।'

जिसके बाद आज सुबह-सुबह दिल्ली में तमाम जगहों पर पोस्टर पर लिखे हुए शब्दों पर स्पष्ट दिखाई दे रहा था, जिसमें लिखा गया था अडानी की फर्जी कंपनियों में 20 हजार करोड़ किसके हैं मोडानी जी जवाब दो। इससे पहले दिल्ली में सबसे पहले पोस्टर वार की शुरुआत आम आदमी पार्टी द्वारा किया गया था। उन्होंने 'मोदी हटाओ देश बचाओ' कैंपेन को लेकर पोस्टर दिल्ली के अनेक स्थानों पर लगाया गया था। इस पोस्टर पर किसी का नाम नहीं था। इसको लेकर दिल्ली पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए 138 एफआईआर कर छह लोगों को गिरफ्तार किया था।

ग्रेटर नोएडा में मरीज की मौत, झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा। थाना जारचा क्षेत्र के धनुबांस गांव में रहने वाले झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन लगाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस मामले में मृतक के परिजनों की शिकायत पर थाना जारचा पुलिस ने डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना जारचा के प्रभारी निरीक्षक ज्ञान सिंह ने बताया कि जनपद हापुड़ के रहने वाले दिनेश सिंह पुत्र फतेह सिंह उम्र 48 वर्ष थाना जारचा क्षेत्र के धनुबांस गांव में क्लीनिक चलाने वाले डॉक्टर विनोद के पास उपचार करवाने आए। डॉक्टर विनोद ने उन्हें एक इंजेक्शन लगाया। थोड़ी देर बाद उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक दिनेश के परिजनों ने डॉक्टर के ऊपर लापरवाही से उपचार कर मौत कारित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छह वर्षीय बच्ची पर कुत्तों ने किया हमला

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत कुंज के सिंधी कैंप में आवारा कुत्तों ने सुबह एक छह वर्षीय बच्ची पर हमला किया। उल्लेखनीय है कि यह वही जगह है जहां 10 व 12 मार्च को दो सगे भाइयों को कुत्तों ने मार डाला था। गनीमत यह रही कि इसबार मासूम बच्ची की आवाज उसके परिजनों ने सुन ली और उसकी जान बच गई। हालांकि इतने देर में खतरनाक कुत्तों ने 6 साल के मासूम बच्ची के शरीर पर कई सारे जख्म दे दिए। 6 साल की घायल बच्ची की पहचान माही के रूप में हुई है। माही के शरीर पर हर जगह कुत्तों के काटने और खरोचने के जख्म हैं। घटना आज सुबह 8.30 बजे की है।

माही आज अपने बड़ी बहन के साथ झुग्गी के पीछे शौच करने गई थी। इतने में इस जंगल में घात लगाकर बैठे आवारा कुत्तों ने माही पर हमला कर दिया। कुत्ते के हमले के बाद माही की बड़ी बहन जैसे तैसे वहां से भागी। कुत्तों के काटते ही छह साल की माही शोर मचाने लगी।

शोर सुनकर परिवार वाले जंगल की तरफ दौड़े और कुत्तों को वहां भगाया। घायल बच्ची को तुरंत सफदरजंग अस्पताल लेकर गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। परिवार का आरोप है कि पहले की घटना के बाद भी प्रशासन ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। नतीजन आज उनकी बच्ची कुत्तों का शिकार हो गई।कैंटीन की सुविधा होगी।

नोएडा में पार्किंग की अवैध रूप से वसूली करने वाले 3 गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में सरफेस पार्किंग खत्म होने के बावजूद लोगों से अवैध रूप से धन उगाही करने वाले पार्किंग के तीन कर्मचारियों को थाना सेक्टर-39 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सेक्टर-104 में सरफेस पार्किंग में जबरन वसूली करने वाले तीन लोगों को नोएडा प्राधिकरण के अवर अभियंता ने पकड़ पुलिस के हवाले किया है। आरोप है कि पार्किंग शुल्क न देने पर ये लोग वाहन चालकों के साथ अभद्रता भी करते थे। नोएडा विकास प्राधिकरण (ट्रैफिक सेल) के अवर अभियंता नवीन कुमार ने बताया कि सेक्टर-104 में मुख्य मार्ग पर होने वाली पार्किंग इस समय निशुल्क चल रही है। पूर्व में यहां सरफेस पार्किंग संचालित थी, जिसमें वाहन खड़ा करने पर शुल्क लिया जाता था, लेकिन इस समय सरफेस पार्किंग फ्री चल रही थी। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण को सूचना मिली थी कि सेक्टर-104 में मुख्य मार्ग पर कुछ लोग पार्किंग की अवैध रूप से वसूली कर रहे हैं। मामला संज्ञान में

सेक्टर-104 में सरफेस पार्किंग में जबरन वसूली करने वाले तीन लोगों को नोएडा प्राधिकरण के अवर अभियंता ने पकड़ पुलिस के हवाले किया है।

आने पर सुपरवाइजर सुनील कुमार, चौकीदार राजाराम, निजर और बरेलाल के साथ मौके का निरीक्षण किया गया। इसमें मधुकांत, शैलेंद्र और राजु झा को अवैध रूप से वसूली करते हुए पकड़ा।

मौके पर वह वाहन चालकों से जबरन वसूली करने के साथ गाली-गलौज भी कर रहे थे। तीनों को मौके पर पकड़ने के साथ ही पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर पहुंची कोतवाली सेक्टर-39 पुलिस को सौंप दिया गया। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक अजय चाहर ने बताया कि पुलिस ने तीनों को जबरन वसूली करने के आरोप में धारा 384 के तहत गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पूरे शहर में सिर्फ सेक्टर-18 में इस समय सरफेस पार्किंग के लिए शुल्क वसूला जा रहा है। इसके अलावा कहीं भी सरफेस पार्किंग का शुल्क नहीं लिया जा रहा है। नोएडा ट्रैफिक सेल के अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि सेक्टर-18 के अलावा किसी भी स्थान पर अगर कोई पार्किंग शुल्क की वसूली करता है, तो उसके खिलाफ नोएडा प्राधिकरण और पुलिस में शिकायत करें।

सनकी महिला ने मां-बेटी पर खौलता हुआ पानी डाला

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के गीता कॉलोनी इलाके में एक दिल-दहला देने वाली घटना में एक सनकी महिला ने मां-बेटी पर खौलता हुआ पानी डाल दिया। दोनों दर्द से छटपटाने लगी तो आरोपित वहां से रफूचक्कर हो गई। पीड़िता अनीता (25) और इसकी मां मीना (50) को अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने अनीता का बयान लेकर जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस परिजनों से पूछताछ करने के अलावा पड़ोसियों से भी पूछताछ कर रही है। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पड़ताल कर रही है। पुलिस के मुताबिक अनीता अपने परिवार के साथ गली नंबर-15, सरोजनी पार्क, शास्त्री नगर, गीता कॉलोनी में चौथी मंजिल पर रहती है, इसके परिवार में पति संजीव कुमार

के अलावा अन्य सदस्य हैं। संजीव पेशे से टेलर है। इसी बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर संजीव का मामा उपेंद्र और मामी फूलो देवी रहती है। 18 मार्च को बच्चों को लेकर अनीता और फूलो देवी के बीच कहासुनी हो गई थी।

उस समय तो परिजनों ने मामला शांत करा दिया। इस बीच अगले दिन 19 मार्च को अनीता की मां समयपुर बादली से मिलने के लिए बेटी के घर पहुंची। अनीता की मां को देखते ही फूलों ने गाली-गलौच शुरू कर दी। विरोध करने पर फूलों जो चूल्हे पर पानी खौला रही थी, उसने दो-तीन मग्गे उठाकर मीना पर डाल दिए। मीना दर्द से चिल्लाने लगी।

अनीता मां को बचाने भागी तो फूलों ने उस पर भी खौलता हुआ पानी उड़ेल दिया। इसके बाद वह वहां से फरार हो गई। दोनों मां-बेटी बुरी तरह झुलस गए। दोनों को संजीव अंबेडकर अस्पताल ले जा गया। जहां उनका इलाज जारी है। बयान देने की हालत में होने की वजह से पुलिस ने अनीता की तबीयत में सुधार होने के बाद मामला दर्ज किया। अब पुलिस आरोपित फूलो की तलाश कर रही है।

ग्रेटर नोएडा की गौर सिटी सोसाइटी में लगी आग, लाखों का सामान जलकर खाक

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एक हाईराइज सोसाइटी के फ्लैट में अचानक आग लग गई। जहा आग ने पूरे घर को अपने चपेट में ले लिया। सोसाइटी की मेंटेनेंस टीम ने आग को कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया। परिवार के लोग फ्लैट से बाहर गए हुए थे। आपको बता दें कि गौर सिटी सोसाइटी के 5 एवेन्यू सोसाइटी के जी ब्लॉक में प्रदीप कंबोज अपने परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि किसी काम से वह सोसाइटी के बाहर गए गए हुए थे। उनके परिवार के लोग भी बाहर गए हुए थे। तभी घर में अचानक से आग लग गई। आग लगने की सूचना पड़ोसियों ने फोन पर दी। आग लगने से घर में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया है। पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे के करीब गौर सिटी सोसाइटी के 5 एवेन्यू सोसाइटी में आग लगने की सूचना मिली। जिस समय आग लगी परिवार के लोग फ्लैट से बाहर गए हुए थे। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

दिल्ली की बिजली: डिस्कॉम कंपनियों का स्पेशल ऑडिट कराएगी केजरीवाल सरकार, आरोप- 'दाल में कुछ काला है'

नई दिल्ली। दिल्ली की बिजली मंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एलजी और डिस्कॉम कंपनियों की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए स्पेशल ऑडिट कराने का एलान किया है। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार डिस्कॉम कंपनियों का आठ साल का स्पेशल ऑडिट कराने जा रही है।

आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में कहा, दिल्ली में बिजली पर मिल रही सब्सिडी को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा हैं। एलजी के आदेश पर अधिकारी काम कर रहे हैं। दिल्ली सरकार दिल्लीवालों को फ्री 24 घंटे बिजली देगी। हम इसे रुकने नहीं देंगे।

सरकार को मीडिया से पता चल रहा हैं की 10 मार्च को एलजी ने कोई फाइल भेजी। ये फाइल मुख्यमंत्री या मंत्री को नहीं दिया जा रहा है। इससे पहले उपराज्यपाल ने डिस्कॉम में सरकार के लगाए गए सीए, पावर एक्सपर्ट व अन्य को हटा दिया और अधिकारियों को लगा दिया। आतिशी ने आगे पूछा, क्या उपराज्यपाल और बिजली कंपनी की

कोई सांठ-गांठ है?

सीएम ने दिया स्पेशल ऑडिट का आदेश

अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डीईआरसी को आदेश दिया है कि पॉवर डिस्कॉम का सीएजी से मान्यता प्राप्त कंपनी से ऑडिट होगा। जल्द ही आर्डर जारी हो जाएगा।

डिस्कॉम कंपनियों का बीते आठ सालों का आडिट होगा कि, बिजली बनाने वाले डिस्कॉम ने दिल्ली सरकार द्वारा दिए पैसे का क्या किया? उनकी दिल्ली के अफसरों से कोई सांठ-गांठ तो नहीं?

उपराज्यपाल दफ्तर में अफरा-तफरी क्यों

आतिशी ने आगे पूछा कि उपराज्यपाल के दफ्तर में अफरा-तफरी की क्या मंशा है? मुफ्त बिजली के लिए जो पैसे दिए गए, केजरीवाल सरकार उनका स्पेशल ऑडिट कराएगी।

उपराज्यपाल पर निशाना साधते हुए आतिशी ने पूछा, आखिर क्यों क्यों एलजी साहब साहब एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं कि उनके पसंदीदा आईएस अफसर ही डिस्कॉम बोर्ड पर होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के पैसे का ये मिलकर दुरुपयोग तो नहीं कर रहे? इसलिए ये ऑडिट किया जा रहा है।

दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल की मौत, सर्विस रिवाल्वर से लगी गोली, मामले के जांच जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के विकासपुरी इलाके में तीसरी बटालियन के परिसर में एक हेड कांस्टेबल मृत पाया गया। पुलिस के अनुसार, मृत हेड कांस्टेबल की पहचान अभय के रूप में हुई है, जो बटालियन परिसर में दोपहर करीब 3:15 बजे मृत पाया गया। उसके सीने में गोली लगने का निशान था। पता चला है कि गोली उसके सर्विस रिवॉल्वर से चली थी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमने यह निर्धारित करने के लिए सीआरपीसी की धारा 174 के तहत कार्यवाही शुरू कर दी है कि हेड कांस्टेबल की मौत दुर्घटना थी या आत्महत्या। अभय के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है।

मृतक की शिनाख्त अभय सिंह के रूप में हुई है। वह मूलतः झुंझुनू के निवासी थे और फिलहाल अपने परिवार के साथ पालम इलाके में रहते थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब सवा तीन बजे परिसर में हवलदार को गोली लगने की जानकारी मिली। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, सहकर्मियों उन्हें पास के अस्पताल में ले जा चुके थे।

आप विधायक का आरोप- पीएम के पोर्टल पर सिखों के लिए किया उग्रवादी शब्द का इस्तेमाल

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा का बजट सत्र जारी है। इस दौरान सोमवार को फिर कई मुद्दों पर सदन में हंगामा हुआ। आज यहां आम आदमी पार्टी के तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह ने एक बड़ा आरोप लगाया, जिसके बाद भाजपा विधायकों ने काफी देर तक हंगामा किया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल को कहना पड़ा कि अगर आरोप गलत हुए तो आप विधायक के खिलाफ कार्रवाई होगी। वहीं जानकारी है कि आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दोपहर 3.30 बजे सदन पहुंच सकते हैं जहां वह सदन को संबोधित भी कर सकते हैं।

जरनैल सिंह ने लगाए ये आरोप

सदन में जरनैल सिंह ने कहा, सिखों ने इस देश की आजादी के लिए सबसे ज्यादा बलिदान दिया, आज भी सरहदों की रक्षा करने के लिए सबसे ज्यादा तरंगों में लिपटकर लाशें सिखों की आती है, प्रधानमंत्री के Public Grievance Portal पर

सिखों को उग्रवादी लिखना शर्मनाक व सिखों को बदनाम करने की घटिया साजिश है। वह आगे बोले, जो धर्म सदैव 'सरबत दा भला' और 'मानवता की सेवा' की बात करता है। सिखों को देश के लिए बलिदान देने व लंगर लगाने के लिए जाना जाता है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा सिखों को उग्रवादी लिखा जाना बेहद शर्मनाक है। PMO Portal से यह तुरंत हटाया जाए व दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। इस मुद्दे पर सदन में जमकर हंगामा हुआ। भाजपा विधायकों ने जरनैल सिंह के बयान पर आपत्ति जाहिर करते हुए माफी मांगने के लिए कहा। इस पर सदन के अध्यक्ष ने कहा कि यदि विधायक ने कुछ गलत कहा है और प्रधानमंत्री के पोर्टल पर ऐसी कोई जानकारी नहीं है तो विधायक पर कार्रवाई होगी।

अधिकारियों ने रोकी बच्चों के कोचिंग की फाइल: राजेंद्र पाल गौतम

दिल्ली सरकार ने एसटी-एससी ओबीसी के छात्रों को आईआईटी सहित अन्य की कोचिंग देने के लिए जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत पिछले एक साल से बच्चों की कोचिंग नहीं हो पा रही है। अधिकारियों ने इस कोचिंग से संबंधित फाइल को रोक रखी है। इस कोचिंग से पढ़कर दिल्ली सरकार के बच्चों ने आईआईटी जैसे बड़े संस्थानों में दाखिला तक पाया। दिल्ली सरकार बच्चों को पढ़ाने के लिए अच्छी योजनाएं ला रही है।

किशोरी की चौथी मंजिल से गिरकर संदिग्ध हालात में मौत, परिजनों ने कहा हत्या- पुलिस बोली आत्महत्या

गाजियाबाद। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके में तड़के 17 वर्षीय किशोरी की चौथी मंजिल से गिरकर संदिग्ध हालात में मौत हो गई। लड़की के परिजनों ने उसके नाबालिग दोस्त पर ही बेटी को चौथी मंजिल से नीचे धक्का देने का आरोप लगाया है। वहीं शुरुआती जांच के बाद पुलिस मामले को आत्महत्या का बता रही है।

पुलिस ने किशोरी का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एलबीएस मोर्चरी भेज दिया है। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की जांच में जुटी है। 17 वर्षीय किशोरी परिवार के साथ मधु विहार की गली नंबर-28 में रहती थी। इसके परिवार में पिता के अलावा एक बड़ा भाई है। किशोरी ने इसी सात 11वीं कक्षा की

परीक्षा दी थी। 15 मार्च को अचानक उसकी मां की मौत हो गई थी। किशोरी की जगतपुरी, राधे श्याम पार्क के एक 17 वर्षीय किशोर से दोस्ती थी। 16 मार्च को दोनों परिवार को बिना बताए देहरादून घूमने निकल गए। लड़की के परिवार ने पुलिस को खबर दी।

इसके अगले ही दिन पुलिस व परिवार ने लड़का-लड़की को देहरादून से बरामद कर लिया। इस बीच रविवार सुबह 5.00 बजे यह हादसा हो गया। लड़का चुपचाप अकेला किशोरी के घर उससे मिलने पहुंचा था। दोनों छत पर मौजूद थे। बेटी को बिस्तर पर न पाकर पिता जब छत पर पहुंचे तो उन्होंने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस का कहना है कि इसी दौरान लड़की ने छत से छलांग लगा दी। परिजन लड़की को लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। लड़की के पिता ने नाबालिग लड़के को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। उससे बातचीत के बाद पुलिस ने मामले को आत्महत्या का बताया है।

नोएडा में महर्षि विश्वविद्यालय से 5 लोगों ने की 83.33 लाख की ठगी

नोएडा। थाना सेक्टर-39 में महर्षि विश्वविद्यालय के फाइनेंस ऑफिसर ने 5 लोगों को नामित करते हुए लाखों रुपए की धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया है। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक अजय चाहर ने बताया कि महर्षि विश्वविद्यालय के फाइनेंस ऑफिसर वरुण कुमार श्रीवास्तव ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि रोहित पराशर, कीर्ति मेहता, विद्या, प्रणव पराशर, आर किल्क आदि ने धोखाधड़ी कर महर्षि विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के राइट्स का गलत उपयोग किया तथा विश्वविद्यालय से 83 लाख 33 हजार 750 रुपए की ठगी कर ली। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गाजियाबाद में दुकान पर कब्जे को लेकर बीजेपी नेता की पिटाई, किया लहूलुहान, वीडियो वायरल

गाजियाबाद। गाजियाबाद में भारतीय जनता पार्टी के एक नेता की इतनी पिटाई की गई कि वह खून से नहा गया। इसका वीडियो वायरल हो गया है। पुलिस के मुताबिक घटना एक दुकान के कब्जे को लेकर हुई है। पुलिस के मुताबिक अब्दुल साबिर नाम के व्यक्ति ने बीजेपी नेता रिजवान मीर पर हमला कर दिया जिसमें उस को गंभीर चोट आई है। पुलिस के मुताबिक फिलहाल चार हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

यह तस्वीर है गाजियाबाद के शालीमार गार्डन इलाके में रहने वाले रिजवान मीर की है। रिज़वान की प्रोफाइल देखेंगे तो भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं के साथ इनकी तस्वीरें मिल जाएंगी।

रिज़वान भारत विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं साथ ही प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के सदस्य खुद को बताते हैं। अब यह वायरल वीडियो देखिए किस तरीके से रिजवान अमीर के चेहरे और सिर से खून टपक रहा है। हैरानी की बात यह है की वही कुछ दूरी पर पुलिस भी है उसकी कार के सायरन सुने जा सकते है। लेकिन पुलिस किसी भी तरीके से बीच-बचाव करती हुई नहीं दिख रही है। खुद रिजवान पुलिस के पास जाते हैं और फिर अपनी पीड़ा बताते हैं।

पुलिस के मुताबिक पूरा मामला दुकान के कब्जे को लेकर जुड़ा हुआ है। जिसमें रिजवान मीर पर अब्दुल साबिर नाम के व्यक्ति ने हमला किया है। पुलिस के मुताबिक 4 लोगों को हिरासत में ले लिया गया है।

बताया जा रहा है कि रिजवान मीर ने शालीमार गार्डन में दुकान किराए पर ली थी जिसके बाद दुकान के मालिक और रिजवान के बीच विवाद चल रहा था इसी को लेकर आज यह मारपीट हुई बताई जा रही है।

संक्षेप खबर

श्रीलंका, पाकिस्तान टी20 शृंखला में लैथम करेंगे कप्तानी

क्राइस्टचर्च। अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 शृंखला में टॉम लैथम न्यूज़ीलैंड की कप्तानी करेंगे। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनज़ेडसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी।एनज़ेडसी ने बताया कि करीब दो साल बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वापसी कर रहे लैथम पाकिस्तान दौरे पर भी कीवी टीम की कमान संभालेंगे। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच टी20 सीरीज दो अप्रैल से खेली जायेगी, जबकि न्यूजीलैंड का पाकिस्तान दौरा 14 अप्रैल से शुरू होगा। इस दौरान केन विलियम्सन और टिम साउदी के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त होने के कारण लैथम को ब्लैक कैप्स की कमान सौंपी गयी है।न्यूज़ीलैंड के कोच माइक स्टीड ने कहा, ÷हमने इस साल भारत के खिलाफ टॉम की क्षमता और उनका शॉट चयन देखा। वह 2021 में बंगलादेश दौरे पर एक अनुभवहीन टी20 टीम की कमान संभाल चुके हैं और कोविड के दौरान हम उनके कप्तानी कौशल से बेहद प्रभावित हुए थे।लैथम की टीम अप्रैल के पहले सप्ताह में ऑकलैंड, डुनेडिन और क्राइस्टचर्च में श्रीलंका का सामना करेगी, जिसके बाद वे 14 से 24 अप्रैल के बीच लाहौर (तीन) और रावलपिंडी (दो) में पांच टी20 खेलने के लिये पाकिस्तान रवाना होंगे।श्रीलंका और पाकिस्तान टी20 सीरीज के लिये न्यूज़ीलैंड स्क्वाड ÷ टॉम लैथम (कप्तान), चाड बोवेस, मार्क चैपमैन, मैट हेनरी, बेन लिस्टर, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट (सिर्फ श्रीलंका सीरीज), हेनरी शिपले, ईश सोढ़ी, विल यंग।(डेन क्लीवर, कोल मैककोन्ची और ब्लेयर टिकनर को सिर्फ पाकिस्तान दौरे के लिये टीम में चुना गया है।)

अफगानिस्तान के लिये ऐतिहासिक उपलब्धि, पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला जीती

शारजाह। अफगानिस्तान ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 'नये लुक' वाली पाकिस्तान टीम को एक गेंद रहते सात विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। यह पहली बार है जब अफगानिस्तान ने शीर्ष छह रैंकिंग की एक आईसीसी टीम के खिलाफ श्रृंखला जीती हो।पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन कम अनुभवी शीर्ष क्रम ने फिर निराश किया। पर उसके लिये इमाद वसीम ने 57 गेंद में नाबाद 64 रन की पारी खेली और कप्तान शादाब खान ने 32 रन बनाकर टीम को छह विकेट पर 130 रन के स्कोर तक पहुंचाया।इसके बाद अफगानिस्तान के लिए रहमनुल्लाह गुरबाज (44 रन) और इब्राहिम जदरान (38 रन) ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अहम योगदान किये। नजीबुल्लाह जदरान ने नाबाद 23 और मोहम्मद नबी ने नाबाद 14 रन बनाकर अपनी टीम को एक गेंद रहते तीन विकेट पर 133 रन बनाकर जीत दिलायी।अफगानिस्तान को अंतिम दो ओवर में 22 रन की दरकार थी। 19वें ओवर में नजीबुल्लाह और नबी ने नसीम शाह पर एक एक छक्का लगाया जिससे इसमें 17 रन बने और पाकिस्तान की उम्मीद भी टूट गयी। अफगानिस्तान ने शुक्रवार को पाकिस्तान पर छह विकेट की यादगार जीत दर्ज की थी। तीसरा टी20 मैच सोमवार को खेला जाएगा।

आईसीसी ने बदली इंदौर पिच की रेटिंग, खराब से औसत से कम में बदला

दुबई। आईसीसी पिच और आउटफील्ड निगरानी प्रक्रिया के तहत भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अपील के बाद इंदौर के होल्कर क्रिकेट स्टेडियम की पिच की रेटिंग को खराब से औसत से नीचे में बदल दिया गया है।होल्कर स्टेडियम की पिच पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला के तहत तीसरा टेस्ट मैच 1 मार्च से खेला गया था और भारतीय टीम को इस मैच में मात्र सवा दो दिन में ही ऑस्ट्रेलिया के हाथों 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।टेस्ट मैच के फुटेज की समीक्षा आईसीसी अपील पैनल, जिसमें वसीम खान (आईसीसी महाप्रबंधक - क्रिकेट) और रोजर हार्पर (आईसीसी मेन्स क्रिकेट कमेटी के सदस्य) द्वारा की गई।पैनल के अनुसार, पिच मॉनिटरिंग प्रक्रिया के परिशिष्ट ए के साथ, यह माना गया कि खराब रेटिंग को वारंट करने के लिए पिच में पर्याप्त अत्यधिक परिवर्तनशील उछाल नहीं था। जिसके बाद पैनल ने माना कि पिच को औसत से कम का दर्जा दिया जाना चाहिए। औसत से कम रेटिंग के लिए स्थल को 1 डिमेरिट अंक प्रदान किया गया है।

यूरो 2024 क्वालिफायर : इंग्लैंड, पुर्तगाल ने दर्ज की बैक-टू-बैक जीत

लंदन। इंग्लैंड और पुर्तगाल ने यूरो 2024 क्वालीफायर में अपने अपने मैचों में जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने यूक्रेन को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की, जबकि पुर्तगाल ने लक्जमबर्ग को 6-0 से हराया।तीन दिन पहले ही इंग्लैंड ने यूरोपीय चैंपियन इटली को शिकस्त दी थी। यूक्रेन के खिलाफ मैच में इंग्लैंड के लिए हैरी केन ने 37वें और बुकायो साका ने 40वें मिनट में गोल किया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ग्रुप सी में शीर्ष पर आ गया।एक अन्य मैच में माटेओ रेटेगुई और माटेओ पेसिना के गोल की बदौलत इटली ने माल्टा को 2-0 से हरा दिया।वहीं, ग्रुप जे में, क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोलों की बदौलत पुर्तगाल ने लक्ज़मबर्ग को 6-0 से हरा दिया। 38 वर्षीय रोनाल्डो का यह पुर्तगाल के लिए 198वां मैच था। इन दो गोलों की बदौलत रोनाल्डो के अंतरराष्ट्रीय करियर में रिकॉर्ड 122 गोल हो गए हैं।ग्रुप एच में, कजाखस्तान ने डेनमार्क को 3-2 से हराया, वहीं, स्लोवेनिया ने सैन मैरिनो को 2-0 और फिनलैंड ने उत्तरी आयरलैंड को 1-0 से हरा दिया।

सीडब्ल्यूआई के नए अध्यक्ष बने किशोर शैलो, दो साल का होगा कार्यकाल

सेंट जॉन्स। डॉ. किशोर शैलो को क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शैलो रिकी स्केरिट की जगह लेंगे। वहीं, अजीम बसरथ को नया उपाध्यक्ष चुना गया है। दोनों का करार दो साल का होगा। शनिवार (25 मार्च) को एंटीगुआ में आयोजित सीडब्ल्यूआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में अध्यक्ष पद का चुनाव आयोजित किया गया था।वेस्टइंडीज टीम के पूर्व प्रबंधक स्केरिट ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, मैंने अध्यक्ष पद छोड़ दिया है। मैंने फिर से चुनाव नहीं लड़ा। मैंने हमेशा कहा कि मेरे लिए चार साल काफी होंगे।डॉ शैलो ने कहा, क्रिकेट वेस्टइंडीज की ओर से, मैं निवर्तमान अध्यक्ष रिकी स्केरिट को हमारे प्रिय क्रिकेट में उनके नवीनतम योगदान के लिए ईमानदारी से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने हमारे जीवनकाल में सबसे चुनौतीपूर्ण समय में से एक, कोविड महामारी में विशिष्टता और गर्व के साथ सेवा की है। उनका कार्यकाल निश्चित रूप से हमें सही दिशा में ले गया है।उन्होंने आगे कहा, शेयरधारकों द्वारा दिखाया गया जबर्दस्त विश्वास उत्साहजनक है। पूरी चुनावी प्रक्रिया में मेरा समर्थन करने के लिए मैं उनके और सभी हितधारकों के प्रति गहरा आभार व्यक्त करता हूं। मेरा दर्शन एकता और समावेशिता में से एक है। इसके लिए केवल अगर हम अपने संसाधनों और प्रयासों को एक साथ जोड़ते हैं तो वेस्टइंडीज क्रिकेट एक क्रिकेट राष्ट्र के रूप में कोई सार्थक उन्नति करेगा।सीडब्ल्यूआई के लिए अगले 18 महीने व्यस्त रहने वाले हैं क्योंकि वेस्टइंडीज जून 2024 में ट्वेंटी20 विश्व कप का सह-मेजबान होगा।बता दें कि स्केरिट सेंट किट्स और नेविस से हैं। उन्होंने मार्च 2019 में तत्कालीन अध्यक्ष डेव कैमरन को हराकर सीडब्ल्यूआई की कमान संभाली थी। उन्होंने खुले तौर पर घोषणा की थी कि वह तीसरा कार्यकाल नहीं लेंगे।

आईपीएल में कमेंट्री के सबटाइटल पढ़ सकेंगे दर्शक

मुंबई। आईपीएल 2023 के आधिकारिक टेलीविजन प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने भारत के खेल प्रसारण में क्रांति लाने के इरादे से सोमवार को बधिर दर्शकों के लिये सबटाइटल फीड लॉन्च की। इस नई तकनीक की मदद से बधिर दर्शक लाइव मैच के दौरान अपनी टीवी स्क्रीन पर कमेंट्री के सबटाइटल पढ़ सकेंगे। स्टार स्पोर्ट्स के प्रवक्ता ने इस अनूठे फीचर के लॉन्च पर कहा, दर्शकों के अनुभव में क्रांति लाने के लिये स्टार स्पोर्ट्स हमेशा सबसे आगे रहा है। हमें सबटाइटल फीड जैसी अभूतपूर्व तकनीक पेश करने पर गर्व है।

मुंबई इंडियंस ने पहला महिला प्रीमियर लीग खिताब जीता

मुंबई। एजेंसी

हीली मैथ्यूज की अगुवाई में अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद नेट स्किवेर ब्रंट के 55 गेंद में नाबाद 60 रन की मदद से मुंबई इंडियंस ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराकर पहला महिला प्रीमियर लीग खिताब जीत लिया।

शिखा पांडे और राधा यादव के बीच दसवें विकेट के लिये 52 रन की साझेदारी की मदद से दिल्ली कैपिटल्स नौ विकेट पर 131 रन बनाये। जवाब में मुंबई ने तीन गेंद बाकी रहते तीन विकेट पर 134 रन बनाये।

स्किवेर ब्रंट ने एक छोर संभालकर 55 गेंद की अपनी पारी में सात चौके लगाये। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 39 गेंद में 37 रन की पारी खेली। आखिर में एमेलिया केर ने आठ गेंद में नाबाद 14 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले मुंबई के गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। दिल्ली का स्कोर 11वें ओवर में तीन विकेट पर 74 रन था। इसके बाद छह विकेट पांच रन के भीतर गिर गए और 16वें ओवर के बाद स्कोर नौ विकेट पर 79 रन हो गया। मुंबई के विदेशी गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया जिनमें से

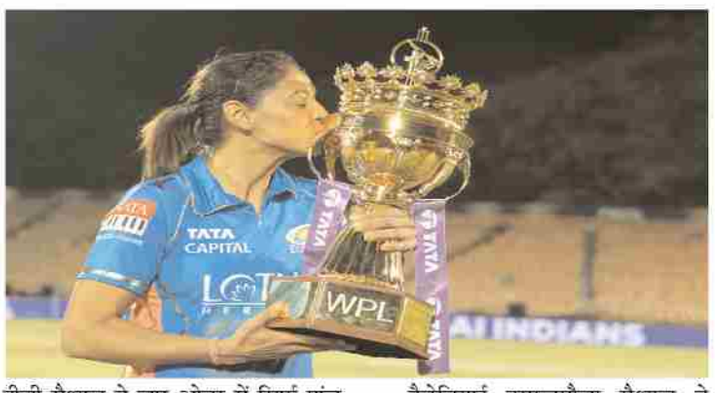

हीली मैथ्यूज ने चार ओवर में सिर्फ पांच रन देकर तीन विकेट लिये जबकि इसाबेल वोंग ने 42 रन देकर तीन और एमेलिया केर ने 18 रन देकर दो विकेट चटकाये।

दिल्ली के लिये शिखा और राधा ने 52 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। शिखा ने 17 गेंद में नाबाद 27 और राधा ने 12 गेंद में नाबाद 27 रन की पारी खेली।

शिखा ने अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया जबकि राधा ने दो चौके और दो छक्के जड़े।

इससे पहले मैथ्यूज, वोंग और केर ने आपस में आठ विकेट लेकर मुंबई को मजबूत स्थिति तक पहुंचाया।

कैरेबियाई हरफनमौला मैथ्यूज ने टूर्नामेंट में 16 विकेट लेकर यूपी वारियर्स की सोफी एक्सेलेटोन की बराबरी कर ली। वोंग और केर ने टूर्नामेंट में 15.15 विकेट लिये।

ब्रेबोर्न स्टेडियम पर फाइनल की शुरूआत नाटकीय रही जब मुंबई ने वोंग की फुलटॉस गेंदों पर पहले तीन विकेट लिये। पहले दो फैसले तीसरे अंपायर ने दिये।

शेफाली वर्मा ने लांग आन पर छक्का और अगली गेंद पर वोंग को चौका लगाकर शुरूआत की लेकिन केर की गेंद पर प्वाइंट में कैच दे बैठी। वोंग ने इसके बाद एलिस कैपसी को खाता खोले बिना रवाना किया जिनका शानदार कैच एक्स्ट्रा कवर पर अमजोत कौर ने लपका।

जेमिमा रौड्रिग्स ने पहली गेंद पर चौका लगाकर शुरूआत की। उन्होंने तीसरे ओवर में नेट स्किवेर ब्रंट को दूसरा चौका लगाया। इससे पहले लानिंग ने पहली दो गेंद पर दो चौके जड़े।वोंग की फुलटॉस पर हालांकि जेमिका प्वाइंट में हीली मैथ्यूज को कैच देकर लौटी।

पावरप्ले के आखिर में दिल्ली का स्कोर तीन विकेट पर 38 रन था। दस ओवर में स्कोर तीन विकेट पर 68 रन था। दिल्ली की पारी का पतन 11वें ओवर के बाद शुरू हुआ और नौ विकेट 79 रन पर गिर गए जिसके बाद राधा और शिखा ने मोर्चा संभाला।

दिल्ली कैपिटल्स महिला
मेग लानिंग रन आउट 35
शेफाली वर्मा का कैर बो वोंग 11
एलिस केपसी का कौर बो वोंग 0
जेमिमा रौद्रिगेज का मैथ्यूज बो वोंग 9
मरियाने काप का भाटिया बो केर 18
जेस जोनासेन का और बो मैथ्यूज 2
अरूंधति रेड्डी का इशाक बो केर 0
शिखा पांडे नाबाद 27
मिन्नु मनी स्ट भाटिया बो मैथ्यूज 1
तानिया भाटिया बो मैथ्यूज 0
राधा यादव नाबाद 27
अतिरिक्त : एक रन
कुल योग ÷ 20 ओवर में नौ विकेट पर 131 रन
विकेट पतन ÷ 1.12, 2.12, 3.35, 4.73, 5.74, 6.75, 7.75, 8.79, 9.79
गेंदबाजी ÷
स्किवेर ब्रंट 4.0.37.0
वोंग 4.0.42.3
इशाक 4.0.28.0
केर 4.0.18.2
मैथ्यूज 4.2.5.3
मुंबई इंडियंस महिला पारी
हीली मैथ्यूज का रेड्डी बो जोनासेन 13
यस्तिका भाटिया का कैपसी बो यादव 4
नेट स्किवेर ब्रंट नाबाद 60
हरमनप्रीत कौर रन आउट 37
एमेलिया केर नाबाद 14
अतिरिक्त ÷ छह रन
कुल योग ÷ 19.3 ओवर में तीन विकेट पर 134 रन
विकेट पतन ÷ 1.13, 2.23, 3.95
गेंदबाजी ÷
काप 4.0.22.0
यादव 4.0.24.1
जोनासेन 4.0.28.1
पांडे 4.0.23.0

मुंबई इंडियंस के सफल होने में अहम रहा महत्वपूर्ण मौकों पर दबदबा बनाना: हरमनप्रीत

मुंबई। एजेंसी

मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स पर सात विकेट की जीत से शुरूआती महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की ट्राफी हासिल करने के बाद कहा कि मैच को जीतने के बजाय मुकाबले के महत्वपूर्ण मौकों पर दबदबा बनाने पर ध्यान देना ही उनकी टीम के लिये कारगर रहा।

मुंबई इंडियंस ने बीती रात ब्रैबोर्न स्टेडियम में तीन गेंद रहते 132 रन के लक्ष्य का पीछा कर लिया जिसमें इंग्लैंड की आल राउंडर नैट स्किवर ब्रंट ने नाबाद 60 रन की पारी का अहम योगदान रहा।

डब्ल्यूपीएल की ट्राफी जीतने के बाद हरमनप्रीत ने कहा, ''शुरु से ही हम महत्वपूर्ण मौकों को अपने नाम करने के बारे में बात कर रहे थे। हम ट्राफी पर ध्यान नहीं लगाये थे, हम इन सभी मौकों को जीतने की कोशिश कर रहे थे। हमने सोचा कि अगर हम इन मौकों को जीत लेंगे तो ट्राफी स्वत÷ ही हमारी झोली में आ जायेगी।''

उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से कप्तान के तौर पर ट्राफी जीतने के इस पल का इंतजार कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''व्यक्तिगत तौर पर काफी अच्छा महसूस हो रहा है। मैं लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रही थी कि मैं कब कप्तान के तौर पर कोई खिताब जीत पाऊंगी। यह महिला क्रिकेट के लिये बहुत महत्वपूर्ण रहा।''

हरमनप्रीत ने कहा, ''कभी कभार हम ऐसा (ट्राफी जीतने के) करने के करीब पहुंचे लेकिन नहीं कर पाये। लेकिन यहां टूर्नामेंट अलग था इसलिये टीम भी अलग थी। हर टीम काफी संतुलित थी और टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया।''

रविवार को हरमनप्रीत के रन आउट होने से उनके टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके आउट होने की याद तरोताजा हो गयी लेकिन मुंबई इंडियंस की कप्तान ने कहा कि उनकी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिये काफी खिलाड़ी मौजूद थीं।

उन्होंने कहा, ''दोनों रन आउट काफी निराशाजनक रहे। मैं पिछले मैच (भारत बनाम आस्ट्रेलिया) में काफी आत्मविश्वास से खेल रही थी क्योंकि हमारे हाथ में काफी विकेट थे। मुझे लगा था कि हम लक्ष्य तक पहुंच जायेंगे।''

हरमनप्रीत ने कहा, ''लेकिन यहां माहौल पूरी तरह अलग था, हमारे पास मध्यक्रम में नैट मौजूद थीं और वह क्रीज पर डट गयी थीं। मैं जानती थी कि कौन गेंदबाजी करने वाला था और किस तरह से। हम मैच खत्म करने के लिए काफी सकारात्मक थे और दो ओवर बचे थे। लेकिन जब मैं आउट हुई तो हमने सोचा कि हमें परिस्थिति के हिसाब से खेलना होगा।'' उन्होंने कहा कि गुजरात जायंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर खेलने से उनकी टीम को फाइनल के लिये लय हासिल करने में मदद मिली।

हरमनप्रीत ने कहा कि शुरुआती डब्ल्यूपीएल में सभी पांचों टीमों ने अच्छा खेल दिखाया और सभी के लिये खिताब जीतने का मौका था।

दिल्ली कैपिटल्स के कोच जोनाथन बैटी ने लगातार विकेट गंवाने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''शुरूआती तीन विकेट गिरना आपके लिये नुकसानदायक हो सकता है। कप्तान मेग लैनिंग और मरिजाने काप के बीच भागीदारी ने हमें वापसी करायी लेकिन फिर हमने विकेट गंवा दिये। इससे चीजें मुश्किल हो गयीं।''

विदेशी स्टार चमकीं, भारतीय क्रिकेट में बदलाव के वादे के साथ खत्म हुआ डब्ल्यूपीएल

मुंबई। एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) ने लुभावना पदार्पण किया और भारत की उभरती हुई महिला क्रिकेटरों के उज्जवल भविष्य के वादे के साथ खत्म हुआ लेकिन जल्दबाजी में आयोजित हुए पहले सत्र के बाद सुधार की काफी गुंजाइश दिखती है।

डब्ल्यूपीएल मुंबई के दो स्टेडियम में खेला गया जिसमें दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों ने खास प्रदर्शन किया लेकिन बायें हाथ की स्पिनर साइका इशाक को छोड़ दें तो इतनी स्थानीय प्रतिभायें सामने नहीं आ सकीं जितनी की उम्मीद की जा रही थी। पांच टीमों की प्रतियोगिता रविवार को खत्म हुई जिसमें मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी टीम को खिताब दिलाया जबकि फाइनल में उनका सामना आस्ट्रेलियाई महान क्रिकेटर मेग लैनिंग की कप्तानी वाली टीम से था। टूर्नामेंट के दौरान कई मैचों में स्कोर 200 रन से ऊपर रहा जबकि बाउंड्री 42 से 44 मीटर छोटी रहीं।

मुंबई की हेली मैथ्यूज 16 विकेट झटककर 'पर्पल कैप' विजेता बनी जिसमें से चार विकेट फाइनल में रहे। वहीं नैट स्किवर ब्रंट 'ओवरऑल' शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी रहीं, उन्होंने 332 रन बनाने के अलावा 10 विकेट झटके। मुंबई इंडियंस की इशाक ने 15 विकेट झटके, उनके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की श्रेयंका पाटिल और कनिका आहुजा ने बड़े मंच अपनी छाप छोड़ी लेकिन भारतीय घरेलू सर्किट और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच अंतर स्पष्ट दिखायी दिया। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारतीय खिलाड़ियों को ज्यादा भूमिकायें और खेलने के मौके नहीं मिले लेकिन उन्होंने अपने क्षेत्ररक्षण से अपनी टीम की अहमियत में इजाफा किया जिसमें उन्होंने मुंबई इंडियंस की अमनजोत कौर और जिंतीमणि कलिता का उदाहरण दिया।

मियामी ओपन: अंतिम 16 में पहुंचे कार्लोस अल्कराज

मियामी गार्डन्स। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने मियामी ओपन के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया है। अल्कराज ने सर्बिया के दुसान लाजोविक को 6-0, 7-6 (7/5) से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। 19 वर्षीय अल्कराज ने पिछले सप्ताह डेनियल मेदवेदेव को हराकर इंडियन वेल्स में खिताब जीता था।मैच जीतने के बाद अल्कराज ने कहा, सब कुछ नियंत्रण में था या मुझे लगा कि ऐसा था लेकिन, आप जानते हैं, मैच में यह कभी आसान नहीं होता। मैंने कुछ गलतियां कीं जो मैंने पूरे मैच के दौरान नहीं की थीं। इसलिए मैच जीतना कठिन था। लेकिन मैं जिस स्तर पर खेल रहा हूं उससे वास्तव में खुश हूं और यह मैच अच्छा था। अल्कराज का सामना अंतिम 16 में टॉमी पॉल से होगा। अल्कराज ने कहा, मैं पहला और एकमात्र मैच हार गया था जो मैंने टॉमी के खिलाफ खेला था। मुझे पता है कि वह वास्तव में प्रतिभाशाली और वास्तव में कठिन खिलाड़ी है।

जडेजा 'ए प्लस' में शामिल, केएल राहुल और भुवनेश्वर बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर

नई दिल्ली। स्टार आल राउंडर रविंद्र जडेजा को अपने शानदार प्रदर्शन का पुरस्कार बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध के एलीट ग्रेड 'ए प्लस' में प्रवेश कर मिला जबकि अक्षर पटेल को भी 'ए' ग्रेड में शामिल किया गया।आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्राफी में संयुक्त 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' रहे 34 वर्षीय जडेजा 'ए प्लस' वर्ग में शामिल चार खिलाड़ियों में से एक हैं जिसमें कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान विराट कोहली और चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मौजूद हैं।शीर्ष क्रम के बल्लेबाज केएल राहुल को लगातार खराब प्रदर्शन के कारण 'ग्रेड बी' में खिसका दिया गया।बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने चार ग्रुप ङ्क 'ए प्लस' (सात करोड़ रुपये), 'ए' (पांच करोड़ रुपये), 'बी' (तीन करोड़ रुपये) और 'सी' (एक करोड़ रुपये) ङ्क में 26 क्रिकेटरों को 'रिटेनरशिप' सौंपी।तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, अजिंक्य रहाणे और ईशांत शर्मा को अनुबंध नहीं मिला।इस अनुभवी तिकड़ी को अनुबंध सूची से बाहर किये जाने से संकेत मिलता है कि अब राष्ट्रीय टीम में उनकी जरूरत नहीं होगी।स्पिन आल राउंडर अक्षर काफी खुश होंगे जिन्हें 'ए' वर्ग में प्रोमोट किया गया जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत को भी पहली बार केंद्रीय अनुबंध में जगह मिली, उन्हें ग्रुप 'सी' में शामिल किया गया।स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पिछले साल दिसंबर में कार दुर्घटना में लगी चोटों का उपचार कराने के बाद उबरने की प्रक्रिया में हैं, वह 'ए' वर्ग में बरकरार हैं जिसमें हार्दिक पंड्या, रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद शमी शामिल हैं।

सुपर संडे: निकहत ने दूसरा, लवलीना ने पहला विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। एजेंसी

शीर्ष भारतीय मुक्केबाज निकहत जरीन ने रविवार को यहां दूसरा विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीता जबकि लवलीना बोरगोहेन ने कांस्य का सिलसिला तोड़ते हुए पहली बार पीला तमगा अपने नाम किया।

निकहत ने 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में वियतनाम की एनगुएन थि ताम पर 5-0 से जीत दर्ज कर लाइट फ्लाईवेट खिताब अपने नाम किया। वहीं दो बार की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने आस्ट्रेलिया की कैटलिन पारकर को 5.2 से मात दी।

इस जीत से निकहत महान मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम (छह बार की विश्व चैम्पियन) के बाद दो बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय बन

गयीं।निकहत ने पिछले साल 52 किग्रा वजन वर्ग में खिताब जीता था। उन्होंने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं कि मैं दूसरी बार विश्व चैम्पियन बनी,विशेषकर ओलंपिक वजन वर्ग में।''दोनों एशियाई मुक्केबाजों के बीच दिन का शुरूआती मुकाबला रोमांचक रहा।

निकहत ने कहा, ''आज का मुकाबला मेरे लिये कठिन था, वह एशियाई चैम्पियन है और मेरा अगला लक्ष्य एशियाई खेल हैं और मैं उससे भिड़ सकती हूं इसलिये मैं कड़ी मेहनत करूंगी।''उन्होंने कहा, ''मुकाबले में उसे और मुझे चेतावनी और 'काउंट' मिली। लेकिन मैं विजेता बनी।''निकहत अपने 52 किग्रा वजन वर्ग से कम वजन वर्ग में खेलीं, वह पहले थोड़ी सुस्त दिखी क्योंकि ताम ने पहले आक्रमण किया। लेकिन कुछ सेंकेंड बाद घरेलू प्रबल दावेदार ने हमले तेज कर दिये जिसके बाद उन्होंने दायीं ओर दो 'हुक' और फिर सीधे मुक्का जड़ा।ताम को जकड़ने के लिए एक पेनल्टी अंक दिया गया जिससे पहला राउंड निकहत के पक्ष में हो गया।ताम ने दूसरे राउंड में मजबूत वापसी की और वह तेज मुक्के जड़ने लगी जिससे निकहत नीचे सिर करके खेलने को मजबूर हो गयी जिससे उन्हें एक पेनल्टी अंक मिला। वियतनाम की मुक्केबाज ने दूसरा राउंड 3-2 से अपने नाम किया।अंतिम तीन मिनट में दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश में आक्रमण किया।निकहत के ताकतवर दायें हाथ के मुक्के से ताम गिर गयी जिससे ताम को 'काउंट' का सामना करना पड़ा और फिर ताम के मुक्के से भारतीय मुक्केबाज को 'काउंट' मिला।निकहत ने कहा, ''मेरे लिये इस वजन वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों के बाद यह बड़ा टूर्नामेंट है। राष्ट्रमंडल खेलों में इतनी प्रतिस्पर्धा नहीं होती।''वहीं तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना ने 69 किलो वर्ग में पहली बार स्वर्ण पदक जीता। उनका यह भारवर्ग हालांकि ओलंपिक में नहीं है।पहले राउंड में उसे लंबे कद का काफी फायदा मिला हालांकि पार्कर ने भी सटीक वार किये। लवलीना ने हालांकि 3.2 की बढत ले ली। दूसरे राउंड में लवलीना ने अपनी रणनीति में बदलाव किया और करीब से आक्रमण किया। उसका हालांकि ज्यादा फायदा नहीं मिला और पार्कर ने बढत बना ली।

राहुल की सेना, सावरकर की नहीं जो गिरफ्तारी से डर जाए : विक्रांत भूरिया

भोपाल, 27 मार्च (एजेन्सी)। मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने भाजपा सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि हम राहुल गांधी की सेना है। सावरकर की नहीं है, जो गिरफ्तारी से डर जाए।

विक्रांत भूरिया ने सोमवार को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार पुलिस पर दबाव बनाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं पर असंवैधानिक और गलत तरीके से कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में जिस तरह भाजपा द्वारा अराजकता का माहौल बनाया जा रहा है, उससे प्रदेश का लोकतंत्र खतरे में हैं। हम राहुल गांधी की सेना हैं, सावरकर की नहीं, जो भाजपा के दबाव में पुलिस की असंवैधानिक कार्यप्रणाली से डर जायें। भूरिया ने कहा कि भाजपा की एक ही नीति है, न नियम न कायदा, काम वहीं करती है, जिसमें हो भाजपा को फायदा।

भूरिया ने कहा कि प्रदेश में 24 प्रतिशत आदिवासी हैं। चाहे नेमावर की घटना हो या प्रदेश में अलग अलग जिलों में आदिवासियों पर हो रही अन्य घटनाएं हो। भाजपा सरकार आदिवासियों पर लगातार प्रहार कर रही हैं। यही नहीं मप्र में सबसे ज्यादा आदिवासी जेल में हैं। भाजपा सरकार आदिवासियों के ऊपर झूठे प्रकरण का दर्ज कर उन्हें फंसाया जा रहा है। आदिवासी विरोधी भाजपा सरकार का दोहरा चरित्र देश और प्रदेश की जनता देख रही हैं।

बता दें राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त होने के विरोध में युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने अपने अन्य साथियों के साथ रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रोक दी थी। इस मामले में जीआरपी पुलिस ने भूरिया समेत 15 के खिलाफ केस दर्ज किया था। रविवार को जीआरपी पुलिस ने विक्रांत को झाबुआ से गिरफ्तार कर रेलवे की विशेष कोर्ट में पेश किया था। जज ने गिरफ्तारी को असंवैधानिक बताते हुए भूरिया को रिहा कर दिया था।

नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने सीएम पर साधा निशाना, बोले- कांग्रेस बेकार, अब भाजपा बनाएगी सरकार

जयपुर, 27 मार्च (एजेन्सी)। राजस्थान भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष सीपी जोशी ने सोमवार को राज्य की कांग्रेस सरकार को ''बेकार और बेकार'' करार दिया और कहा कि उनकी पार्टी अगला विधानसभा चुनाव जीतेगी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर कोटपूतली में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने ये बात कही। बता दें कि सीपी जोशी चित्तौड़गढ़ से लोकसभा सांसद हैं। आज जोशी प्रदेश अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण करने दिल्ली से जयपुर आ रहे थे।

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर कोटपूतली में कुछ देर ठहराव के दौरान उन्होंने पत्रकारों से वार्ता की उन्होंने कहा कि 'हम राजस्थान में एक टीम के रूप में काम करेंगे। मैं पार्टी का कार्यकर्ता हूं और वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और समर्थन के साथ काम करूंगा।'

सीएम अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए, जोशी ने कहा कि यह 'बेकार और बेकार' सरकार है। अब राजस्थान में अगली सरकार भाजपा बनाएगी। राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस दौरान रास्ते में जगह-जगह सीपी जोशी का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

राहुल प्रकरण पर कांग्रेस के विरोध को बीजेपी ने बताया गैर जिम्मेदार राजनीति

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेन्सी)। भाजपा ने 'काले कपड़े' पहनकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन को गैर-जिम्मेदार राजनीति का परिणाम बताया है। पार्टी ने कहा है कि राहुल गांधी की संसद से सदस्यता सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के आधार पर गई है, और स्पीकर ने इस मामले में केवल अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। चूंकि, आपराधिक मामलों में दो साल से अधिक की सजा दिए जाने पर उसी क्षण सदन से सदस्यता समाप्त हो जाती है, इसलिए कांग्रेस नेता को अपील का समय न दिए जाने का आरोप सही नहीं है। पार्टी ने कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को 'फ्लॉप शो' करार दिया है और कहा है कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव में एक बार फिर 300 से ज्यादा सीटों पर सफलता प्राप्त करेगी।

भाजपा नेता पीयूष गोयल ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस हल्के स्तर की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के आधार पर बने नियमों के कारण गई है। ऐसे में राहुल गांधी की सदस्यता जाने के लिए उन्हें किसी और को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि राहुल गांधी के पहले छह अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं की सदस्यता गई है, लेकिन उस समय न तो लोकतंत्र के लिए खतरा बताया गया और न ही उसके विरुद्ध कभी संसद में विरोध प्रदर्शन नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्णय के बाद भी इसके विरुद्ध प्रदर्शन करना सीधे तौर पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध प्रदर्शन करने जैसा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जिम्मेदार राजनीति करते हुए इस तरह के विरोध से बचना चाहिए।

गोयल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ओबीसी समुदाय का अपमान किया है। यही कारण है कि कांग्रेस का सत्याग्रह असफल साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे ये भी साबित हो गया है कि उनके पास जनसमर्थन नहीं है।

यूपी निकाय चुनाव को सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी, ओबीसी आरक्षण के साथ चुनाव कराने की इजाजत

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में शहरी स्थानीय निकाय चुनावों का सोमवार को रास्ता साफ हो गया। यह देखते हुए कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण के मुद्दे की जांच के लिए गठित एक समर्पित आयोग ने अपनी अंतिम रिपोर्ट दे दी है, सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए अधिसूचना जारी करने की अनुमति दे दी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि हमारे आदेश के बाद यूपी सरकार ने यूपी पिछड़ा वर्ग आयोग के लिए एक अधिसूचना जारी की थी। पीठ ने आदेश में नोट किया, 'हालांकि आयोग का कार्यकाल छह महीने का था, इसे 31 मार्च, 2023 तक अपना कार्य पूरा करना था लेकिन सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि आयोग की रिपोर्ट नौ मार्च को प्रस्तुत कर दी गई है। स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अधिसूचना जारी करने की कवायद जारी है और इसे दो दिनों में जारी किया जाएगा।'

कोर्ट ने यह स्पष्ट करते हुए मामले का निस्तारण कर दिया कि उसके आदेश में दिए गए निर्देशों को मिसाल के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में जस्टिस (सेवानिवृत्त) राम अवतार सिंह, जिन्होंने आयोग का नेतृत्व किया, और चार अन्य सदस्य - सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी चोब सिंह वर्मा, महेंद्र कुमार, और पूर्व अतिरिक्त कानून सलाहकार संतोष कुमार विश्वकर्मा और ब्रजेश कुमार सोनी ने मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी और उन्हें रिपोर्ट सौंपी थी। वहां पर शहरी विकास मंत्री एके शर्मा और शहरी विकास विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

जानकारी के मुताबिक, आयोग ने तीन महीने से भी कम समय में राज्य के सभी 75 जिलों का दौरा करने के बाद अपनी रिपोर्ट तैयार की है। यह बताया गया कि आयोग ने 5 दिसंबर, 2022 को अधिसूचित शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण पर कई विसंगतियां पाईं और उन्हें हटाने की सिफारिश की है।

चार जनवरी, 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण दिए बिना शहरी स्थानीय निकाय चुनावों को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश चुनाव आयोग को दिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्देश पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने तब कहा था कि नगरपालिकाओं का लोकतंत्रीकरण करना और अनुच्छेद- 243टी के तहत नगरपालिकाओं की संरचना में सही प्रतिनिधित्व देना, दोनों ही संवैधानिक आदेश हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने तब कहा था कि उसने ओबीसी के प्रतिनिधित्व के लिए डेटा एकत्र करने के लिए एक समर्पित आयोग का गठन किया है। हाईकोर्ट का 27 दिसंबर, 2022 का आदेश उन याचिकाओं पर आया था, जिनमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूले का पालन किए बिना ओबीसी आरक्षण के मसौदे को तैयार करने को चुनौती दी गई थी।

मई, 2022 में शीर्ष अदालत ने 'के कृष्ण मूर्ति व अन्य बनाम भारत संघ और अन्य' (2010) में संविधान पीठ के फैसले का हवाला दिया था, जिसमें कहा गया था कि ओबीसी आरक्षण प्रदान करने से पहले 'ट्रिपल टेस्ट' शर्तों को पूरा करना होगा। इसके तहत पिछड़ेपन पर अनुभवजन्य डेटा एकत्र करने के लिए एक समर्पित आयोग स्थापित करने, आयोग की सिफारिशों के आलोक में स्थानीय निकाय में आवश्यक आरक्षण के अनुपात को निर्दिष्ट करने और आरक्षण 50 फीसदी (एससी, एसटी और ओबीसी को मिलाकर) से अधिक नहीं होने की शर्तें हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा ओबीसी आयोग की रिपोर्ट स्वीकार कर ओबीसी आरक्षण के साथ नगरीय निकाय चुनाव कराने का आदेश स्वागत योग्य है।

विधि सम्मत तरीके से आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार समयबद्ध ढंग से नगरीय निकाय चुनाव कराने हेतु प्रतिबद्ध है।

राहुल मुद्दे पर विपक्ष का प्रदर्शन, कांग्रेस सांसदों ने पहने काले कपड़े

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेन्सी)। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता के अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ और अडाणी समूह से जुड़े मामले में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग को लेकर सोमवार को संसद भवन परिसर में धरना दिया।

कांग्रेस और कुछ अन्य सहयोगी दलों के सांसदों ने विरोध स्वरूप काले कपड़े पहन रखे थे।

संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष दिए गए इस धरने में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के कई सांसद, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के टी आर बालू, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के एनके प्रेमचंद्रन और कुछ अन्य नेता शामिल हुए।

कांग्रेस के सभी सांसदों, द्रमुक के बालू और आरएसपी के प्रेमचंद्रन ने काले कपड़े पहने हुए थे।

संसद परिसर में धरने के बाद विपक्षी सांसदों ने विजय चौक तक मार्च निकाला। उन्होंने हाथों में एक बड़ा बैनर ले रखा था जिस पर सत्यमेव जयते लिखा हुआ था।

विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। विपक्ष के मार्च में तृणमूल कांग्रेस के सांसद प्रसून बनर्जी भी शामिल हुए। उन्होंने 18 विपक्षी दलों की बैठक में भी भाग लिया था। तृणमूल कांग्रेस लंबे समय बाद कांग्रेस द्वारा बुलाई गई विपक्षी दलों की किसी बैठक और प्रदर्शन में शामिल हुई है।

इससे पहले, विपक्षी नेताओं ने बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा की।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के संसद भवन स्थित कक्ष में हुई बैठक में खरगे के अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, द्रमुक के टीआर बालू, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और कई अन्य दलों के नेता शामिल हुए।

कांग्रेस के लोकसभा सदस्य मनीष तिवारी और मणिकम टैगोर ने राहुल गांधी को आयोग ठहराये जाने को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को कार्यस्थगन का नोटिस दिया था।

उनका कहना था कि जल्दबाजी में किया गया यह निर्णय संविधान के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है।

उधर, राज्यसभा में कांग्रेस के सदस्य सैयद नासिर हुसैन और कुछ अन्य सदस्यों ने अडाणी समूह के मामले में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग करते हुए कार्यस्थगन के नोटिस दिए।

केरल की वायनाड संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत द्वारा वर्ष 2019 के मानहानि के एक मामले में सजा सुनाये जाने के मद्देनजर शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया।

उल्लेखनीय है कि सूरत की एक अदालत ने मोदी उपनाम संबंधी टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 2019 में दर्ज आपराधिक मानहानि के एक मामले में उन्हें बृहस्पतिवार को दोषी ठहराया तथा दो साल कारावास की सजा सुनाई थी।

गत 13 मार्च से शुरू हुए संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में विपक्ष और सत्ता पक्ष के हंगामे के कारण लगातार सात कामकाजी दिनों तक लोकसभा एवं राज्यसभा में प्रश्नकाल और शून्यकाल की कार्यवाही बाधित रही।

विपक्षी दल अडाणी समूह के मामले में जेपीसी गठित करने की मांग पर अड़े हुए हैं। दूसरी तरफ, सत्तापक्ष के सदस्य कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लंदन में दिए गए एक बयान को लेकर उनसे माफी की मांग पर अड़े हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट से लालू को राहत, जमानत को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर नोटिस से इनकार

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को लालू प्रसाद यादव को राहत मिली। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के डोरंडा कोषागार मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की जमानत को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया और इसे लंबित अपील की सूची में डाल दिया। इस मामले में लालू यादव को पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई थी।

न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कहा कि वह नोटिस जारी नहीं कर रही है बल्कि मामले को सीबीआई द्वारा दायर इसी तरह की लंबित अपील के साथ जोड़ रही है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और अधिवक्ता रजत नायर ने मामले में नोटिस जारी करने की मांग की, लेकिन पीठ ने कहा कि वह मामले की एक साथ सुनवाई करेगी और नोटिस जारी करने को लेकर इच्छुक नहीं है।

सीबीआई ने अपनी याचिका में लालू यादव को जमानत देने के झारखंड उच्च न्यायालय के 22 अप्रैल, 2022 के आदेश को चुनौती दी थी। 74 वर्षीय यादव चारा घोटाले के विभिन्न मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद खराब स्वास्थ्य के कारण वर्तमान में जमानत पर बाहर हैं।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू को डोरंडा कोषागार से 139 करोड़ रुपये से अधिक के गबन से जुड़े पांचवें चारा घोटाले के मामले में रांची की एक विशेष सीबीआई अदालत ने पांच साल की जेल की सजा सुनाई थी और 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। चारा घोटाला मामले में यादव को सीबीआई अदालत ने पिछले साल 15 फरवरी को दोषी ठहराया था और 21 फरवरी को उन्हें पांच साल कैद और 60 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई थी।

शीर्ष अदालत ने सोमवार को सीबीआई की याचिका को एजेंसी की अन्य याचिका के साथ टैग कर दिया जिसमें उसने यादव को जमानत देने के उच्च न्यायालय के 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। 12 जुलाई, 2019 को, उच्च न्यायालय ने देवघर कोषागार से 89.27 लाख रुपये की धोखाधड़ी से संबंधित चारा घोटाले के मामले में यादव को इस आधार पर जमानत दे दी थी कि उन्होंने साढ़े तीन साल की जेल की आधी सजा काट ली है।

बता दें कि लालू प्रसाद यादव को झारखंड के डोरंडा, देवघर, दुमका और चाईबासा कोषागार से फर्जी तरीके से पैसे निकालने से जुड़े पांच चारा घोटाले के मामलों में दोषी ठहराया गया है। उन्हें चाईबासा कोषागार से फर्जी निकासी के दो मामलों में दोषी ठहराया गया था। यादव अपने खराब स्वास्थ्य के कारण जमानत पर रिहा होने से पहले दिसंबर 2017 से रांची में जेल में थे।

कांग्रेस के हंगामे के कारण संसद की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेन्सी)। विपक्षी दलों के हंगामे के कारण सोमवार को दोनों सदनों - लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सदन शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर स्थगित हो गई।

लोकसभा की कार्यवाही को शाम 4 बजे तक के लिए और राज्यसभा की कार्यवाही को दोपहर बाद 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राहुल गांधी की लोक सभा सदस्यता रद्द करने के विरोध में कांग्रेस सांसद काले कपड़े पहनकर सदन में पहुंचे। वहीं अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने भी काली पट्टी बांध कर कांग्रेस का साथ दिया। विपक्षी सांसद अडानी मसले पर जेपीसी गठन की भी मांग कर रहे हैं।

सोमवार को सुबह 11 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। इस पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वो गरिमा से सदन चलाना चाहते हैं और इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही को शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

वहीं उच्च सदन राज्य सभा की कार्यवाही को दोपहर बाद 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
दार्जिलिंग निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल के श्री प्रताप सिंह ने 19.02.2023 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर 82L 45511 है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''डियर लॉटरी मेरे जैसे काफी सारे लोगों की आर्थिक स्थिति विकसित करने का साधन बन गई है। मैंने डियर लॉटरी के विजेताओं के विवरण मीडिया तथा पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में फैली सूचियों के माध्यम से देखे हैं। डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज को मेरा हार्दिक धन्यवाद।'' विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com